मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, बुधवार, 10 दिसंबर 2025
संवत 2082, पौष कृष्णपक्ष 6 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 91 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ गोवा त्रासदी और भ्रष्टाचार की वह आग जिसने 25 जीवन छीन लिए
एडिलेड टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में पैट कमिंस की वापसी ◂◂ 6

शीतकालीन सत्र: बालू के मुद्दे पर फिर सदन में हंगामा, कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित

संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आज चौथा दिन है।सदन की कार्यवाही प्रश्नकाल से शुरू की गई। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से कई मुद्दों पर सवाल उठाया। जल नल योजना, अबुआ आवास जैसे मुद्दे को लेकर सदन में जोरदार बहस हुई। सदन की कार्यवाही फिलहाल 2 बजे तक स्थगित कर दी गई है।

इससे पहले सदन में खरसावां गोलीकांड को लेकर खरसावां विधायक ने खरसावां गोलीकांड को लेकर न्यायिक आयोग गठित करने की मांग की शहीदों को लेकर मुकम्मल जानकारी के सवाल पर मंत्री योगेंद्र महतो ने कहा कि न्यायिक आयोग ने ओडिशा और बंगाल जाकर जांच कमेटी ने स्वीकार किया कि लाखों लोग सभा में शामिल थे। सरकार एक कमेटी गठित कर शहीदों की पहचान को सामने लाने का प्रयास करेगी, सरकार अपनी प्रक्रिया पूरी कर शहीदों को चिन्हित करने के लिए उच्च स्तरीय कमेटी की गठन करेगी।

वहीं बालू के मुद्दे पर सदन में हंगामा शुरू हुआ। विधायक सीपी सिंह ने 100 रुपये में 100 सीएफटी बालू देने के सवाल को लेकर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया, इसके जवाब में मंत्री योगेंद्र महतो ने कहा कि मैंने कल सदन में जो वक्तव्य दिया था, वह बिल्कुल सही है।

कहा कि सरकार गुमराह नहीं कर रही है। अगर सदस्यों को सीएफटी समझ नहीं आता तो मैं कह रहा हूं कि 100 रुपया में एक ट्रैक्टर बालू मिलेगा। इसपर सदन में शोर शराब होने लगा। फिर अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ।

झारखंड राजभवन का नाम बदलकर बिरसा भवन रखा जाए, मंत्री ने रखा प्रस्ताव

रांची : झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बुधवार को विधानसभा में खड़े हुए और प्रस्ताव रख दिया कि रांची का राज भवन अब बिरसा भवन कहलाएगा।

दो राज भवनों के नए नाम प्रस्तावित : मंत्री ने सदन में कहा कि रांची का मुख्य राज भवन का नाम बिरसा भवन होगा, भगवान बिरसा मुंडा के सम्मान में। वहीं दुमका का राज भवन सिदो-कान्हू भवन कहलाएगा, संताल विद्रोह के नायकों सिदो और कान्हू मुरमू के नाम पर होगा।

मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि राज भवन राज्य सरकार की संपत्ति है। संविधान के अनुच्छेद 154 के तहत राज्य की कार्यकारी शक्ति गवर्नर में होती है, इसलिए उनका कार्यालय भी राज्य का हिस्सा है। संपत्ति पर नाम रखने का पूरा अधिकार राज्य सरकार को है। बता दें कि केंद्र सरकार ने 3 दिसंबर को पूरे देश में सभी राज भवनों का नाम लोक भवन करने का आदेश दिया था। झारखंड ने भी तुरंत इसे लागू कर दिया। लेकिन अब राज्य सरकार ने अपना अलग प्रस्ताव पेश कर दिया है। रांची का राज भवन 52 एकड़ में फैला है। इसके साथ 10 एकड़ में ऑड्रे हाउस भी है। इसकी नींव 1930 में पड़ी थी और मार्च 1931 में सिर्फ 7 लाख रुपये की लागत से बनकर तैयार हो गया था।

बोकारो में दो बाइकों के बीच भीषण टक्कर मौके पर दो युवकों की दर्दनाक मौत

संवाददाता

बोकारो: जिले के गोमिया प्रखंड के ललपनिया घाटी में दो बाइकों के बीच भीषण टक्कर हो गई, जिसमें दो युवकों की मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हो गए हैं। यह घटना गोमिया थाना क्षेत्र के तुलबुल गांव के समीप ललपनिया घाटी के पास की है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोमिया में भर्ती कराया। जहां दो युवकों की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई।

घायलों का सदर अस्पताल में चल रहा है इलाज : वहीं, घटना की सूचना पाकर सीएचसी पहुंचे गोमिया बीडीओ, सीओ ने बेहतर इलाज के लिए गंभीर रूप से घायल अन्य दो बच्चों को बोकारो सदर अस्पताल रेफर कराया। जबकि तीसरे घायल का इलाज ललपनिया स्थित टीटीपीएस अस्पताल में चल रहा है। मृतकों की पहचान तुलबुल निवासी रवि प्रसाद 38 वर्षीय पिता स्वर्गीय सुभाष प्रसाद एवं मंशु महली 16 वर्षीय पिता जगन्नाथ महली के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार रवि प्रसाद अपने साथी दिलीप प्रजापति के साथ बाइक से ललपनिया लौट रहे थे। इसी दौरान मंशु महली अपनी बाइक से ललपनिया की ओर जा रहा था। जहां दोनों के आमने-सामने टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह टक्कर इतनी भीषण थी कि मंशु की बाइक पर सवार 4 वर्षीय बच्चा सड़क किनारे गिर गया। हालांकि फिलहाल बच्चा सुरक्षित है। वहीं, गोमिया के सीओ आफताब आलम ने बताया कि दो बाइकों में टक्कर हुई हैं, जिसमें दो युवकों की मौत हो गई है। जबकि तीन लोग घायल हैं। इन घायलों के बेहतर इलाज के लिए बोकारो सदर अस्पताल भेजा गया है।

झारखंड में तापमान का मिला-जुला है मिजाज आज रात से पारा में आएगी गिरावट

रांची: झारखंड में फिलहाल दिन का तापमान सामान्य से थोड़ा ऊपर-नीचे रहते हुए कुल मिलाकर सुकून भरी ठंड का दौर जारी है, जबकि अगले कुछ दिनों में रात के पारे में हल्की गिरावट और सर्दी में बढ़ोतरी के आसार हैं। मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है और बारिश की कोई संभावना नहीं दिख रही है। मौसम केंद्र की ओर से 10 दिसंबर को जारी सुबह 8:30 बजे की रिपोर्ट के मुताबिक डाल्टनगंज में सबसे कम 6.7 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ है।

कितना रहा तापमान : भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, रांची केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है, जो सामान्य से करीब 1 डिग्री कम है, जबकि न्यूनतम तापमान लगभग 8 डिग्री के आसपास जाकर सामान्य से ढाई डिग्री नीचे बना हुआ है। पिछले 24 घंटों में रांची के दिन के तापमान में करीब डेढ़ डिग्री की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन रात के पारे में करीब ढाई डिग्री की गिरावट के कारण सुबह और देर रात ठिठुरन अधिक महसूस की जा रही है। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री और न्यूनतम 11.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से क्रमशः लगभग 1 डिग्री कम और आधा डिग्री अधिक है, यानी यहां दिन हल्का ठंडा लेकिन रातें अभी अपेक्षाकृत आरामदेह हैं। डाल्टनगंज में अधिकतम 28.4 डिग्री और न्यूनतम करीब 6.7 डिग्री तक दर्ज होने से दिन में हल्की गर्माहट के साथ रातें अधिक ठंडी हो गई हैं और यही जिला आज राज्य का सबसे ठंडा भी रहा।

मिलाजुला मौसम : बोकारो थर्मल में अधिकतम तापमान 24.1 डिग्री और न्यूनतम 8.5 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा, जहां दिन का तापमान सामान्य से करीब 2 डिग्री कम और रात का लगभग डेढ़ डिग्री कम दर्ज किया गया, जिससे यहां भी ठंड का असर बढ़ता दिख रहा है। पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा में सबसे अधिक 28.4 डिग्री का अधिकतम तापमान दर्ज हुआ, जबकि न्यूनतम 11 डिग्री के आसपास रहा, जो सामान्य से थोड़ा ऊपर है और इससे यहां दिन में हल्की गर्माहट व रात में मध्यम ठंड का अहसास हो रहा है।

इन आंकड़ों से साफ है कि रांची, बोकारो और ऊंचाई वाले हिस्सों में ठंड अपेक्षाकृत ज्यादा तीखी महसूस हो रही है, जबकि जमशेदपुर और चाईबासा जैसे निचले इलाकों में दोपहर के समय हल्की गर्माहट बनी हुई है। राज्य के ज्यादातर हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान कहीं भी उल्लेखनीय वर्षा रिकॉर्ड नहीं हुई, जिससे हवा शुष्क और सुबह-शाम धुंध की स्थिति बने रहने की संभावना बनी हुई है।

सीजेआई के खिलाफ 'मोटिवेटेड' कैंपेन पर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के 44 पूर्व जजों ने जताई कड़ी आपत्ति

नई दिल्ली : देश के 44 पूर्व सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) पर रोहिंग्या प्रवासियों से जुड़ी टिप्पणियों को लेकर चल रहे 'प्रेरित और भड़काऊ अभियान' की कड़ी निंदा की है। न्यायाधीशों ने इस मामले में 5 दिसंबर को जारी ओपन लेटर का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट की प्रतिष्ठा को प्रभावित करने का यह प्रयास स्वीकार्य नहीं है। बता दें कि पत्र में कहा गया था कि 2 दिसंबर की सुनवाई में रोहिंग्या शरणार्थियों पर अमानवीय टिप्पणी हुई। पूर्व न्यायाधीशों ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया पर तर्कसंगत आलोचना हो सकती है, लेकिन वर्तमान में जो कुछ हो रहा है, वह नियमित अदालत कार्यवाही को पक्षपातपूर्ण रूप में पेश कर न्यायपालिका की वैधता पर सवाल उठाने का प्रयास है। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि सीजेआई केवल यह पूछ रहे थे कि कानून के तहत रोहिंग्या के कौन से अधिकार या दर्जे का दावा किया जा रहा है।

पत्र में न्यायाधीशों ने यह भी रेखांकित किया कि कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि भारत में किसी भी व्यक्ति (नागरिक या विदेशी) के साथ यातना, गुमनामी या अमानवीय व्यवहार नहीं किया जा

सकता और हर व्यक्ति की गरिमा का सम्मान होना चाहिए। इस बात को नजरअंदाज कर अदालत पर अमानवीयता का आरोप लगाना गंभीर विकृति है।

पूर्व न्यायाधीशों ने रोहिंग्या प्रवासियों की स्थिति और कानूनी परिप्रेक्ष्य स्पष्ट करते हुए कहा कि रोहिंग्या प्रवासी भारतीय कानून के तहत शरणार्थी नहीं हैं। अधिकांश मामलों में उनकी भारत में प्रविष्टि अनियमित या अवैध है। केवल दावा करने से उन्हें कानूनी शरणार्थी दर्जा नहीं मिल सकता। भारत 1951 के यूएन शरणार्थी सम्मेलन और 1967 के प्रोटोकॉल का हिस्सा नहीं है। इसलिए भारत के कर्तव्य उसके संविधान, विदेशी और प्रवास कानूनों और सामान्य मानवाधिकारों से तय होते हैं, न कि किसी अंतरराष्ट्रीय संधि से।

अवैध प्रवासियों द्वारा आधार कार्ड, राशन कार्ड और अन्य पहचान दस्तावेज प्राप्त करना गंभीर चिंता का विषय है। यह सिस्टम की विश्वसनीयता को कमजोर करता है और दस्तावेजी धोखाधड़ी तथा संगठित नेटवर्क की आशंका पैदा करता है।

ऐसे मामलों में कोर्ट-नियंत्रित विशेष जांच दल (एसआईटी) की स्थापना आवश्यक है, जो जांच करे कि अवैध प्रवासियों ने कैसे पहचान और कल्याण दस्तावेज प्राप्त किए, कौन से अधिकारी और मध्यस्थ शामिल हैं और क्या कोई तस्करी या सुरक्षा-संबंधित नेटवर्क सक्रिय हैं।

रोहिंग्या की स्थिति म्यांमार में भी जटिल है, जहां उन्हें अवैध प्रवासी माना जाता है और नागरिकता का विवाद है। इस पृष्ठभूमि में भारतीय अदालतों को कानूनी श्रेणियों के आधार पर निर्णय लेने की आवश्यकता है, न कि राजनीतिक नारे या लेबल के आधार पर।

पूर्व न्यायाधीशों ने यह स्पष्ट किया कि न्यायपालिका का हस्तक्षेप संवैधानिक सीमाओं के भीतर है और यह देश की अखंडता बनाए रखते हुए मानव गरिमा की रक्षा कर रहा है।

संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में देश के कई वरिष्ठ और प्रतिष्ठित पूर्व न्यायाधीश शामिल हैं। इनमें सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस अनिल दवे, जस्टिस हेमंत गुप्ता, राजस्थान हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अनिल देव सिंह, दिल्ली एवं जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीसी पटेल और पटना हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस पीबी बाजंथरी समेत 44 प्रमुख पूर्व जजों के नाम शामिल हैं। पूर्व न्यायाधीशों ने कहा, ₹भारत का संवैधानिक क्रम मानवता और सतर्कता दोनों की मांग करता है। न्यायपालिका ने मानव गरिमा की रक्षा करते हुए राष्ट्रीय अखंडता बनाए रखी है और इसे सकारात्मक समर्थन मिलना चाहिए, न कि नकारात्मक प्रचार।

शशि थरूर को मिलेगा वीर सावरकर अवॉर्ड? कांग्रेस सांसद ने खुद किया खुलासा

नई दिल्ली : कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को एक ट्वीट के जरिए यह खुलासा किया है कि उन्हें दिल्ली में आज दिए जाने वाले वीर सावरकर अवॉड के बारे में न तो कोई आधिकारिक सूचना मिली है और न ही उन्होंने इसे स्वीकार किया है। थरूर ने लिखा कि उन्हें केवल मीडिया रिपोर्टों से पता चला कि उनका नाम पुरस्कार प्राप्तकताओं में शामिल किया गया है। थरूर ने बताया कि वे स्थानीय निकाय चुनावों में मतदान के लिए केरल गए थे, जहां उन्हें पहली बार इस अवॉर्ड के बारे में मीडिया से पता चला। उन्होंने कहा, मैं न इस अवॉर्ड से अवगत था, न ही इसे स्वीकार किया है। आयोजकों द्वारा मेरी सहमति के बिना मेरा नाम घोषित करना पूरी तरह गैर-जिम्मेदाराना है।ह्व उन्होंने कहा, अवॉर्ड की प्रकृति, आयोजकों या किसी भी संदर्भ के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। ऐसे में कार्यक्रम में भाग लेने या अवॉर्ड स्वीकार करने का प्रश्न ही नहीं उठता। आपको बता दें कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए आयोजित राजकीय भोज में गर्मजोशी भरा और आत्मीयह्व माहौल था तथा कई लोगों से बातचीत करना आनंददायक था। थरूर की यह टिप्पणी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पुतिन के सम्मान में दिए गए भोज के एक दिन बाद आई थी। थरूर ने शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ₹शुक्रवार रात राष्ट्रपति पुतिन के लिए राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज में शामिल हुआ। माहौल बेहद गर्मजोशी भरा और आत्मीय था। वहां उपस्थित कई लोगों से बातचीत करने का आनंद लिया, खासतौर पर रूसी प्रतिनिधिमंडल से आए साथी बेहद अच्छे थे।

'एयरलाइंस व्यवस्था में नाकाम रही तो सरकार ने क्या किया'

इंडिगो संकट पर हाईकोर्ट का केंद्र से सवाल

नई दिल्ली। इंडिगो फ्लाइट संकट से प्रभावित यात्रियों को ग्राउंड सपोर्ट और रिफंड दिलाने की मांग से जुड़ी जनहित याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। इस दौरान हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों बनी और इसके लिए जिम्मेदार कौन है। कोर्ट ने कहा कि ये यात्रियों की समस्या के साथ अर्थव्यवस्था से जुड़ा है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि लोगों को मुआवजा देने के लिए कोई कदम उठाया गया है।

5 हजार की टिकट 35000 की कैसे हो गई : हाईकोर्ट केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए एएसजी चेतन शर्मा ने कहा कि सरकार ने किराया पर कैपिंग की है और इसे सख्ती से लागू किया गया है। कोर्ट ने कहा ये पांच दिन बाद किया गया और जो टिकट 5 हजार में उपलब्ध थी वो 30 से 35 हजार की हो गई। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर कोई आपात स्थिति थी तो दूसरी एयरलाइंस को इसका फायदा उठाने की अनुमति क्यों दी गई। एएसजी चेतन शर्मा ने इस संबंध में उठाये गए कदम के संबंध में कोर्ट को दस्तावेज पेश किए। यह भी कहा कि एकल पीठ ने इस संबंध में एयरलाइन को एक नवंबर तक का समय दिया था, लेकिन उसकी तरफ से कोई कदम नहीं उठाया गया। यह भी कहा कि इसका मंत्रालय से कोई लेना देना नहीं है। कोर्ट में पूछा ऐसी स्थिति न आये इसके लिए केंद्र सरकार ने क्या किया?

एयरलाइन नाकाम रही तो सरकार ने क्या कदम उठाए : कोर्ट एएसजी ने कहा कि इस संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था और एयरलाइंस ने मांफी मांगी थी। यह भी कहा कि एफटीटीएल योजना

2024 से लंबित है और बार बार इसकी समय सीमा बढ़ाई गई। कोर्ट ने पूछा अगर वो ऐसा करने में नाकाम रहे तो सरकार ने क्या किया? मामले में ऑर्डर डिक्टेट करते हुए कोर्ट ने कहा कि उक्त व्यवधानों के कारण, जो आज भी जारी है, यात्रियों को विमान में चढ़ने से वंचित कर दिया गया है और वे देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं।

कोर्ट ने कहा कि यह बताया गया है कि एयरलाइन का स्टाफ इन यात्रियों और उनकी चिंताओं पर उचित तरीके से ध्यान नहीं दे रहा है, जो न केवल विभिन्न वैधानिक आवश्यकताओं के संदर्भ में उनसे अपेक्षित है, बल्कि किसी भी सभ्य समाज में अपेक्षित है। कोर्ट ने याचिकाकताओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि अदालत प्रारंभ में ही याचिका दाखिल करने के तरीके से असंतुष्टि व्यक्त करती है। याचिका में की गई मांग के संबंध में पर्याप्त शोध और साक्ष्य का अभाव है। हालांकि, जनहित को ध्यान में रखते हुए, हमने संबंधित मुद्दे का संज्ञान लिया है। हमें याचिकाकताओं से बेहतर तैयारी की अपेक्षा थी। कोर्ट ने कहा कि एएसजी ने सूचित किया कि एयरलाइनों द्वारा समय-समय पर जारी किए गए विभिन्न वैधानिक प्रविधानों और दिशा-निर्देशों का पालन न करने के कारण यह संकट उत्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि उड़ान ड्यूटी समय सीमा 2024 (एफडीटीएल) को प्रत्येक एयरलाइन द्वारा लागू किया जाना है। कोर्ट ने यह भी रिकॉर्ड पर लिया कि अप्रैल 2025 में पारित इस न्यायालय के कुछ आदेश के बाद, एफडीटीएल को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाना था। जहां तक रात्रि लैंडिंग से संबंधित प्रविधान का संबंध है, इसे एक नवंबर से लागू किया जाना था और अधिकारी संवाद कर रहे हैं, समन्वय कर रहे हैं और निगरानी कर रहे हैं कि आर3 (इंडिगो) यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए कि पायलट द्वारा रात्रि लैंडिंग की सीमा लागू की जाए।

हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि एयरलाइंस एफडीटीएल का पालन और अवलोकन सुनिश्चित करने के लिए अपेक्षित संख्या में पायलटों की भर्ती नहीं कर सका। सॉफ्टवेयर सपोर्ट में भारी कमी रही है, जिसके कारण व्यवधान हो सकता है। कोर्ट ने यह भी रिकॉर्ड किया कि अन्य एयरलाइनों द्वारा वसूले जा रहे किराए में अनुचित वृद्धि को रोकने के लिए, मंत्रालय ने किराया सीमा निर्धारित करने वाला एक आदेश जारी किया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए ने इस मुद्दे को अत्यंत गंभीरता से लिया है और डीजीसीए ने इंडिगो के संचालन में व्यवधान उत्पन्न करने वाली परिस्थितियों की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया है।

लाखों यात्रियों के एयरपोर्ट पर फंसे रहने की स्थिति कैसे बनी? : कोर्ट ने कहा कि न्यायालय समिति के गठन का आदेश दशार्ता है कि डीजीसीए को परिचालन तैयारियों और अनुपालन योजना में प्रथम दृष्टया कमियों के संकेत मिले हैं, जिनकी जांच आवश्यक है। उक्त समिति का नेतृत्व डीजीसीए के महानिदेशक करते हैं। समिति के कार्यक्षेत्र में व्यापक परिचालन व्यवधानों के कारणों की पहचान करना, जनशक्ति नियोजन, अस्थिर रोस्टर प्रणाली आदि का आकलन करना शामिल है।

कोर्ट ने कहा डीजीसीए द्वारा छह दिसंबर को इंडिगो को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, जिसमें उससे पूछा गया है कि उल्लंघनों के लिए उसके खिलाफ उचित कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए। हम मंत्रालय और डीजीसीए द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना करते हैं। हालांकि, हमें इस बात से चिंता है कि लाखों यात्रियों को हवाई अड्डों पर बिना सहायता के फंसे रहने की ऐसी स्थिति कैसे उत्पन्न होने दी गई। ऐसी स्थिति केवल यात्रियों को होने वाली असुविधा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करती है, क्योंकि आजकल अर्थव्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए यात्रियों की सुचारू आवाजाही एक महत्वपूर्ण पहलू है।

रिम्स कैंपस में अतिक्रमण हटाओ अभियान का विरोध, भारी सुरक्षा में कार्रवाई जारी

संवाददाता

रांची: झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के बाद राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स परिसर और आसपास के क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को रांची जिला प्रशासन, पुलिस बल और रिम्स प्रबंधन की संयुक्त टीम एक बार फिर बरियातू थाना क्षेत्र पहुंची। टीम ने जैसे ही अभियान की शुरूआत की स्थानीय लोगों और अतिक्रमणकारियों ने जोरदार विरोध किया। जिससे कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया।

प्रशासन को झेलना पड़ा अतिक्रमणकारियों का विरोध : सुबह से ही प्रशासनिक टीम बुलडोजर, जेसीबी और अन्य संसाधनों के साथ स्थल पर मौजूद थी। निरीक्षण के बाद जैसे ही संरचनाओं को हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई कई दुकानदारों और आसपास के लोगों ने नाराजगी जताना शुरू कर दिया। विरोध कर रहे लोगों ने बताया कि वर्षों से वे इसी जगह पर अपनी दुकानें लगाकर परिवार चला रहे हैं, लेकिन अब अचानक कार्रवाई से उनकी रोजी-रोटी पर संकट पैदा हो गया है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि ऐसे अभियानों का बोझ हमेशा गरीबों पर ही पड़ता है। उनका कहना थ सिर्फ गरीब ही ऐसे अभियानों से पीसते हैं, बड़े लोगों के कब्जे पर कभी कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने मांग की कि प्रशासन पहले वैकल्पिक व्यवस्था दे, उसके बाद ही हटाने की कार्रवाई करें।

अतिरिक्त बल लगाकर हटाया गया अतिक्रमण : विरोध बढ़ने पर पुलिस को भीड़ को पीछे हटाने के लिए अतिरिक्त बल लगाना पड़ा। कुछ स्थानों पर नोकझोंक भी हुई। जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने इलाके की बैरिकेडिंग कर दी। हालांकि, पदाधिकारियों ने लोगों को शांत कराते हुए कहा कि यह कार्रवाई उच्च न्यायालय के निर्देश पर की जा रही है और कई बार नोटिस देने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया, इसलिए मजबूरन कार्रवाई करनी पड़ रही है।

जाम से स्थिति हुई उत्पन्न : अभियान के दौरान बरियातू रिम्स रोड पर थोड़ी देर के लिए जाम की स्थिति बन गई, क्योंकि विरोध कर रहे लोग सड़क पर उतर आए थे। बाद में पुलिस ने यातायात बहाल कराया और अभियान को आगे बढ़ाया। वहीं रिम्स प्रबंधन का कहना है कि अस्पताल परिसर में बढ़ते अतिक्रमण से एम्बुलेंस मूवमेंट, मरीज सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि रिम्स क्षेत्र को पूरी तरह अतिक्रमणमुक्त करने तक अभियान जारी रहेगा। साथ ही जरूरतमंद और प्रभावित परिवारों की समस्याओं पर भी आगे विचार किया जाएगा।

2450 रुपए में बोनस के साथ धान का खरीदारी सरकार की घोषणा गलत : पवन साहू

संवाददाता

रांची : भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू जी ने कहा कि झारखंड की कैबिनेट के द्वारा दिनांक 8 दिसंबर 2025 को निर्णय लिया की धान की खरीदारी 2450 रुपए में बोनस के साथ किया जाएगा यह हेमंत सोरेन सरकार के द्वारा सरासर अन्याय व गलत है। सरकार इस तरह से किसानों के साथ अन्याय नहीं कर सकती है। विधानसभा चुनाव के समय हेमंत सोरेन सरकार ने अपने घोषणा पत्र में वादा किया था, झारखंड में सरकार बनने पर धान की खरीदारी ?3200 में किया जाएगा। किसानों ने लालच में आकर बढ़ चढ़कर झामुमो को वोट दिया। सरकार बनते हीं अपना रंग दिखाना हेमंत सोरेन शुरू कर दिया। आज राज्य में बिचौलियों के द्वारा धान की खरीदारी 1700 से 18 00 रुपए में कर रही है। हेमंत सोरेन के उदासीनता के कारण धान का क्रय केंद्र अभी तक चालू नहीं हो पाया है। सरकार जल्द से जल्द अपने निर्णय पर पुनः विचार करते हुए किसानों के साथ न्याय करे। धान की खरीदारी ?3200 में करें ।।? 2450 रुपए में रुपए बोनस के साथ धान की खरीदी के घोषणा के बाद किसान आक्रोशित हैं, तथा आंदोलन के लिए तैयार हैं। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा इस निर्णय का पूरजोर विरोध करती है। किसानो के साथ भाजपा किसान मोर्चा खड़ा है। नरेंद्र मोदी सरकार ने किसानों को अधिक उपज के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से ?6000 सालाना किसानों को देकर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रही है। किसान खुश है प्रदेश में धान की अच्छी उपज हुई है। लेकिन झारखंड सरकार की उदासीनता एवं गलत निर्णय के कारण आज किसान ठगा हुआ महसूस कर रहा है। सरकार इस तरह की दोहरी नीति नहीं अपना सकती है, वोट के लिए धान की खरीदी 3200 रुपए प्रति क्विंटल।।और सरकार बनते ही 2450 रुपए, यह सरासर धोखा है, किसानों के साथ घोर अन्याय है।।!

यदि सरकार किसानों से किए गए वादे पर अमल नहीं करती है तो भाजपा किसान मोर्चा पूरे प्रदेश में किसानों के हित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। यह जानकारी भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने दी।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम ने प्रतिभागियों में जगाई शोध की जिज्ञासा

संवाददाता

रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग तथा अर्थशास्त्र एवं विकास अध्ययन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ह्लसामाजिक विज्ञान में मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोध विधियांह्व विषयक दो-सप्ताहिक आईसीएसएसआर-प्रायोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) के नौवें दिन की शुरूआत उत्साहपूर्ण और चिंतनशील वातावरण में हुई। दिन की शुरूआत प्रार्थना और ह्लआज का विचारह्व प्रस्तुत करने से हुई, जिसने प्रतिभागियों में नए सीखने के प्रति ऊर्जा भरी।

कार्यक्रम निदेशक प्रो। तपन कुमार बसन्तीआ एवं डॉ। संहिता सुचरिता ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और दिन के विशिष्ट वक्ताओं को सम्मानित करते हुए सत्रों की शुरूआत की।

मेटा-विश्लेषण पर सरल और प्रभावी मार्गदर्शन : दिन के अधिकांश सत्र एक्सएलआरआई, जमशेदपुर के प्रोडक्शन, ऑपरेशन्स एवं डिसीजन साइंसेज विभाग के सह प्राध्यापक डॉ। आलोक राज द्वारा लिए गए। अपने पहले सत्र ह्लमात्रात्मक शोध पद्धतिः मेटा-विश्लेषणह्व में उन्होंने बताया कि मेटा-विश्लेषण अलग-अलग शोध अध्ययनों के निष्कर्षों को जोड़कर अधिक ठोस और विश्वसनीय परिणाम देता है।

उन्होंने फॉरेस्ट प्लॉट, इफेक्ट साइज, पब्लिकेशन बायस, कोरिलेशन मैट्रिक्स तथा हेट्रोजेनिटी जैसी अवधारणाओं को सरल उदाहरणों से समझाया। साथ ही प्रिस्मा फ्रेमवर्क पर विस्तार से बताते हुए यह स्पष्ट किया कि व्यवस्थित साहित्य समीक्षा के लिए यह कितना जरूरी होता है। सत्र के दूसरे चरण में डॉ। राज ने प्रतिभागियों को आर सॉफ्टवेयर के व्यावहारिक उपयोग का प्रशिक्षण दिया–डेटा इम्पोर्ट, डेटा क्लीनिंग, सांख्यिकीय परीक्षण, ग्राफ निर्माण, रिग्रेशन आउटपुट आदि का लाइव प्रदर्शन किया।

उन्होंने कैजुअल इन्फ्रेंस की अवधारणाएं जैसे काउंटरफैक्चुअल, मैचिंग, इंस्ट्रूमेंटल वैरिएबल्स, रेग्रेशन डिस्कॉन्टिन्यूटी व डिफरेंस-इन-डिफरेंसेज (डीआईडी) को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने चेतावनी दी कि गलत मान्यताएं कारण-परक निष्कष र्ों को भटका सकती हैं, इसलिए सावधानी और शोध-स्वच्छता बेहद आवश्यक है।

नैचुरलिस्टिक इंक्वायरी, सहभागी शोध और एथनोग्राफी की गहराई : दिन का तीसरा सत्र डॉ निरंजन साहू, प्रोफेसर, ग्रामीण प्रबंधन विभाग, एक्सआईएसएस रांची द्वारा लिया गया। उन्होंने बताया कि नैचुरलिस्टिक इंक्वायरी वास्तविक परिस्थितियों में बिना हस्तक्षेप के घटनाओं को समझने का माध्यम है। सहभागी शोध को उन्होंने एक सहयोगात्मक प्रक्रिया के रूप में वर्णित किया, जिसमें समुदाय स्वयं शोध की धुरी बनता है।

नृवंशविज्ञान को उन्होंने संस्कृति, व्यवहार और सामाजिक संबंधों की गहन और दीर्घकालिक समझ विकसित करने की प्रक्रिया बताया। अपने फील्ड अनुभवों के उदाहरणों ने प्रतिभागियों को गुणात्मक शोध की वास्तविक दुनिया से जोड़ दिया।

पुस्तक लेखन और पुस्तक समीक्षा पर सारगर्भित कार्यशाला : अंतिम सत्र प्रो। श्रेया भट्टाचार्जी, प्रोफेसर एवं डीन, स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज, सीयूजे द्वारा संचालित था। उन्होंने शैक्षणिक पुस्तक लेखन की संरचना, शैली, नैतिकता और मौलिकता पर प्रकाश डाला।

पुस्तक समीक्षा कैसे लिखी जाए–तर्कों का मूल्यांकन, प्रमाणों की जांच, कमियों की पहचान और पुस्तक के समग्र योगदान का विश्लेषण–इन सभी पहलुओं को उन्होंने उदाहरणों के साथ समझाया। इस सत्र ने प्रतिभागियों को अपनी अकादमिक लेखन क्षमता को और निखारने का अवसर दिया।

समाचार सार

आपूर्ति विभाग की आयोजित समीक्षा बैठक संपन्न

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में मंगलवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (ढऊ़र), खाद्यान्न आपूर्ति, ग्रीन कार्ड, नमक वितरण, धान अधिप्राप्ति एवं भुगतान, सोनाझसोबरन धोतीझसाड़ी योजना तथा ठऋअ अंतर्गत खाद्यान्न वितरण की विस्तृत समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि राशन वितरण को लक्ष्य अनुरूप शत-प्रतिशत सुनिश्चित करें तथा धोतीझसाड़ी सभी योग्य लाभुकों तक समय पर पहुंचे। नमक वितरण में धीमी प्रगति पर असंतोष जताते हुए सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वितरण करने को कहा गया।

उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को पीडीएस दुकानों की लगातार जांच कर राशन वितरण में पारदर्शिता और गति बनाए रखने का निर्देश दिया। गोदामों में एग्जॉस्ट फैन, सीसीटीवी, लाइट आदि की व्यवस्था सुदृढ़ रखने पर भी जोर दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा ने निर्देशित किया कि सभी प्रखंडों में धान अधिप्राप्ति कार्य सफलतापूर्वक संचालित हो, तथा केंद्र संचालन से जुड़े सभी कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पैक्स केंद्रों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए धान अधिप्राप्ति से संबंधित कार्य संपादित करें, ताकि किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। जिला आपूर्ति पदाधिकारी को किसानों को धान निबंधन के प्रति जागरूक करने तथा अधिक से अधिक किसानों का निबंधन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया।

रोटरी क्लब ऑफ रांची ने मुख्यमंत्री को किया आमंत्रित

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं कल्पना सोरेन से रोटरी क्लब ऑफ रांची के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के क्रम में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को आगामी डिस्ट्रीक्ट कॉन्फ्रेंस ह्लसमागमह्व में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। यह कॉन्फ्रेंस 19 से 21 दिसंबर तक आयोजित की जा रही है। प्रतिनिधिमंडल में क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल, अनिल सिंह, रेखा सिंह तथा रश्मि अग्रवाल शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होने का आश्वासन दिया। उन्होंने रोटरी क्लब के सदस्यों को आगामी तीन दिवसीय सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी प्रदान कीं।

खादगढ़ा बस टर्मिनल में एमआरएफ सेंटर बनाने के लिए रांची नगर निगम का निरीक्षण

रांची : रांची नगर निगम शहर में कचरा मैनेजमेंट को दुरुस्त करने के लिए अलग-अलग जगहों पर एमआरएफ सेंटर बना रहा है, ताकि कचरा आसानी से अलग हो सके और उसका सही तरीके से निपटान किया जा सके।

इसी काम को देखते हुए मंगलवार को अपर प्रशासक संजय कुमार खादगढ़ा में भगवान बिरसा मुंडा बस टर्मिनल पहुंचे। यहां टफ्रऋ सेंटर बनाने के लिए जमीन देखी जा रही है। निरीक्षण के दौरान पता चला कि जिस जगह सेंटर बनना है, वहां कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। इस पर अपर प्रशासक ने साफ कहा कि 7 दिन के अंदर कब्जा खुद ही हटा लें, वरना निगम कार्रवाई करेगा।

इसके अलावा, जिस एजेंसी मेसर्स टीपीएस को एमआरएफ सेंटर बनाना है, उसे 2 दिनों में लेआउट प्लान बनाकर निगम को देने के लिए कहा गया है, ताकि काम जल्दी शुरू हो सके। निरीक्षण के समय सहायक प्रशासक राहुल यादव, पीएमसी के लोग और निगम के अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे।

मेरी आवाज मेरी पहचान का सिंगर टेलेंट शो का हुआ समापन

रांची : मेरी आवाज मेरी पहचान के तत्वावधान मे सिंगर टैलेंट शो कार्यक्रम का आयोजन धुर्वा में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 5 से 12 वर्ष एवं 13 से 18 वर्ष के 30 बच्चों ने पनी शानदार गायन से दर्शकों को मंत्रमुक्त कर दिया। इस ऑडिशन कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका में संस्था के संस्थापक गायक कुमार गहलोत एवं संस्था की सचिव गायिका कविता होरो थीं। उन्होंने बताया कि हमारे झारखंड में गायक प्रतिभाएं काफी हैं बस उन्हें खोज कर निखारना की आवश्यकता है और उन्हें सारेगामापा और इंडियन आइडल जैसे मंच प्रदान करवाना है।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है इसी तरह के 3-4 ऑडिशन कार्यक्रम अन्य स्थानों पर आयोजित कर चुनकर आए गायको के लिए ग्रैंड फिनाले का आयोजन करना। इस ऑडिशन का लगभग 150 अभिभावकों तथा स्थानीय लोगों ने आनंद उठाया और तालियों की गड़गड़ाहट से बढ़ाया।

मौके पर इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के तौर पर समाजसेवी पीसी मंडल, कुंदन कुमार,बिंदु सिंह,मानु तिग्गा,अकील अहमद लक्ष्मी नारायण ट्रस्ट के प्रभात कुमार राजन,छात्र क्लब में के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकिशोर शर्मा मौजूदगी रही।

182 वां श्री सुंदरकांड व हनुमान चालीसा का हुआ पाठ

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 182 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। राम सिया राम सिया राम जय जय राम के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मंडल के निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने अखंड ज्योति एवं पूजन के सभी कार्य सम्पन्न करवाएं। यजमान सुनील मोदी ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। सुनील मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया रिषभ कुमार हर्ष कृष्णा अंकित कुमार आदि भक्त उपस्थित थे।

केशव कृपा छाया फाउंडेशन ने छात्रों के बीच कंबल बांटे

रांची : केशव कृपा छाया फाउंडेशन ने मंगवाकर को भक्तिवेदांत विद्या भवन गुरुकुल में जरूरतमंद विद्यार्थियों और आश्रित लोगों के लिए विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर फाउंडेशन की ओर से 101 कंबलों का वितरण, 124 लोगों के लिए तीनों समय के भोजन की व्यवस्था तथा गौ माता को गुड़ का भोग लगाकर गौसेवा का संदेश दिया गया। संस्था ने सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन के रूप में 11 हजार की नगद सहायता राशि भी गुरुकुल प्रबंधन को प्रदान की। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि सेवाभाव ही संस्था का मूल उद्देश्य है और आगे भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर जारी रहेंगे।इस अवसर पर फाउंडेशन की अध्यक्ष मीरा अग्रवाल, सचिव सुमिता अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, आद्यांश अग्रवाल, वशिष्ठ अग्रवाल, संतोष नथानी, रेणु चतुवेर्दी, आकाश चतुवेर्दी, रवि शुक्ला, आरती मिश्रा, ममता शर्मा, आशा अग्रवाल, सुधा सुल्तानिया, संगीता सिंघानिया, योगेश्वरी सिंघानिया, वसुंधरा खेमका, अनुपमा वर्मा, रेणु वर्मा, बुची मिश्रा, नीलिमा मित्तल, आशा गुप्ता, मुद्रिका प्रसाद, अनीता उरांव, सुनीता उरांव समेत अन्य लोग मौजूद थे।

रांची जिले के सभी अंचलों में जनता दरबार का हुआ आयोजन

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निदेर्शानुसार जिले के प्रत्येक अंचल में मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान को प्राथमिकता देते हुए अंचल अधिकारियों, अंचल निरीक्षकों तथा राजस्व कर्मियों की उपस्थिति में बड़ी संख्या में प्राप्त आवेदनों पर मौके पर ही कार्रवाई की गई।

जनता दरबार में अंचलवार किए गए निष्पादन : सोनाहातू अंचल में दानाडीह ग्राम की सरला देवी को पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

सिल्ली अंचल में छोटा मुरी ग्राम की गुड़ी देवी एवं सुकरामनी देवी को पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र सौंपा गया।

माण्डर अंचल में मौजा ततकुण्डो के ए।के। महतो को केसीसी लोन हेतु भूमि सत्यापन प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया गया। ग्राम बुढ़ाखुखरा के हनीफ मियां तथा कंजिया के लेदा पात्रिक के पंजी-2 में आवश्यक सुधार किया गया। ओरमांझी अंचल में नारायण महतो के पंजी-2 में सुधार की कार्रवाई पूर्ण की गई। हेहल अंचल में लक्ष्मीनगर निवासी प्रेम कुमार की ऑनलाइन रसीद निर्गत की गई। ईटकी अंचल में आवासीय, जाति, आय, केसीसी, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र आदि से संबंधित कुल 84 आवेदनों का त्वरित निष्पादन किया गया। खलारी अंचल में विभिन्न प्रमाण पत्र एवं राजस्व कार्यों से संबंधित 34 आवेदनों पर कार्रवाई की गई। सिल्ली में 49, चान्हो में 106, बेड़ो में 143, नगड़ी में 54, रातू में 106, माण्डर में 28 सहित अन्य अंचलों में भी सैकडों मामले निपटाये गये। जनता दरबार के दौरान जिलों के सभी अंचलों में राजस्व संबंधी कई लंबित मामलों का भी निष्पादन किया गया। अधिकारियों द्वारा तत्परता के साथ की गई इन कार्रवाइयों से आवेदकों को काफी सुविधा हुई और जनता दरबार का उद्देश्य समस्याओं का स्थल पर समाधान कर सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर आयोजित यह जिलास्तरीय पहल पारदर्शिता, शीघ्रता और उत्तरदायित्व पर आधारित प्रशासनिक दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है, जो प्रशासन को जनता के और निकट लाने का प्रयास है।

विधायक नीरा यादव ने सदन के बाहर बैठकर जताया विरोध

शून्यकाल में मौका नहीं देने से थी नाराज

संवाददाता

रांची: शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन भाजपा विधायक नीरा यादव सदन से नाराज होकर बाहर निकल गईं थी। नीरा यादव की यह नाराजगी शून्य काल में उनके सवाल नहीं लिए जाने के कारण थी। उन्होंने सदन में विधि व्यवस्था ठीक नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष को किसी भी तरह का अधिकार यह सरकार देने को तैयार नहीं है।

हमें शून्यकाल में मौका नहीं दिया गयाः नीरा यादव

उन्होंने कहा कि शून्यकाल के लिए सवाल को लेकर उन्होंने खुद शाम में प्रक्रिया पूरी की थी और बाद में कहा गया कि अभी आपका समय नहीं है। जब मेरे द्वारा एतराज जताया गया तो फिर कागज निकालकर दूसरे नंबर पर उसे रखा गया। इसके बावजूद हमें शून्यकाल में मौका नहीं दिया गया। इससे नाराज होकर हम चलते हुए सदन से बाहर निकल गए।

नीरा यादव ने सदन के बाहर बैठकर जताया विरोध

सदन में स्पीकर द्वारा बोलने का मौका नहीं दिए जाने से नाराज कोडरमा की भाजपा विधायक नीरा यादव ने बुधवार को सदन के बाहर बैठकर विरोध जताई। विधानसभा परिसर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इतनी खराब व्यवस्था आज तक हमने नहीं देखी है। रात में लोग 12 बजे प्रश्न लेकर यहां आते हैं और कुछ लोग इधर-उधर करके सवाल कभी भी लेकर चले आते हैं, जिसे देखने वाला कोई नहीं है। दरअसल, अनुपूरक बजट के दौरान सदन में सत्ता पक्ष विपक्ष की ओर से बोला जाना था, मगर नाम होने के बावजूद नीरा यादव को बोलने का मौका नहीं मिला। जिससे वह नाराज होकर सदन से बाहर निकल गईं थी।

मुरी रनिंग स्टॉफ ने दिया धरना

संवाददाता

मुरी : मुरी लांबी के एक लोको पायलट को मुरी- से हटिया एस्टाबलिस टॉन्सफर पालिसी के विरुद्ध में मुरी लांबी के समक्ष धरना सह विरोध प्रदर्शन किया गया। जिसमें नारे लगाए गए कि सीनियरीटी के अनुसार टॉन्सफर किया जाए, रनिंग स्टाफ जिन्दाबाद, इन्क्लाब जिन्दाबाद। इस इस बिषय को लेकर मंडल प्रबंधक, डीपी, डीईई, आरपीएफ, जीआरपी , सी सी सी को आवेदन देकर सुचित किया गया। धरना प्रदर्शन के दौरान मुरी के सारे रनिंग स्टाफ द्वारा निर्णय लिया गया है कि मुरी लांबी के एक लोको पायलट को नियम विरुद्ध तरीके से,एज पर एप्लिकेशन सीनियरीटी को नजरअंदाज कर आउट ऑफ टर्म स्त्रोस एवं पैरवी से हटिया टॉन्सफर कर दिया गया है।

जबकि बिना स्त्रोस एवं पैरवी वाले रनिंग स्टाफ सात - आठ साल से हटिया टॉन्सफर वेटिंग में हैं। ऐसा कौन सा विशेष स्कील उस ड्राईवर में है जो अन्य ड्राईवर में नहीं है , सबको ट्रेन ही चलाना है,जिसे आउट ऑफ टर्म हटिया लाया गया। उससे उपर लगभग 120 से 130 क्रू हटिया स्टाफ टॉन्सफर वेटिंग में है। उसी के साथ प्रशासन इतना मेहरबान क्यों है रेलवे को वितीय धाटा भी हो रहा है।जब उस ड्राईवर को हटिया ही रखना था तो लगभग छ महीना पहले ही ड्राईवर प्रमोशन देकर मुरी लाया गया फिर एकसौबीस से एक सौ तीस स्टाफ के बाटम से आउट ऑफ टर्म हटिया टॉन्सफर कर दिया गया। इससे सारे रनिंग स्टाफ में असंतोष की भावना उत्पन्न हो गया हैं।

संयुक्त किसान मोर्चा ने बीज विधेयक और बिजली विधेयक 2025 की प्रतियां जलाई

झारखंड सहित देशभर में किसान विरोधी बीज विधेयक और बिजली विधेयक का तीखा विरोध होगा

संवाददाता

मुरी : संयुक्त किसान मोर्चा के देशव्यापी आव्हान पर झारखंड राज्य किसान सभा द्वारा राहे के ठूगरूडीह,बासाहातु,पारमडीह, माहेशपुर, बरवाडीह,लोवाहातु,टोरांग,कटया डीह सहित दर्जनों गांवों में किसान विरोधी बीज विधेयक और बिजली विधेयक की प्रतियां जलाई गई। किसान विरोधी बिज और बिजली विधेयक वापस लो,बिज और बिजली कारपोरेट के हवाले नहीं चलेगा, मोदी सरकार हाय हाय, आदि नारे लग रहे थे। मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुफल महतो ने कहा किसान विरोधी बीज विधेयक और बिजली विधेयक का झारखंड सहित देशभर में तीखा विरोध होगा, मोदी सरकार द्वारा ये दोनों विधेयक कृषि क्षेत्र को कारपोरेट कंपनियों के हाथों सौंपने की तैयारी है, इसी तरह 20214 में किसान विरोधी भूमि अध्यादेश,2020 में तीन कृषि काला कानून कारपोरेट के हितों के लिए लाया गया लेकिन देशव्यापी किसान आन्दोलन के कारण रद्द करना पड़ा, मोदी सरकार किसान आन्दोलन के साथ लिखित समझौता जो तीन माह के अन्दर एम- एस पी की कानूनी गारंटी देने का था आज तक लागू नहीं किया।इस अवसर पर राज्य किसान कौंसिल सदस्य विसवर महतो, जिला कौंसिल सदस्य शोभाराम महतो, जयपाल सिंह मुंडा,मुगा महली, नारायण मुंडा,अंचल कौंसिल सदस्य जगन्नाथ मुंडा,सोमा मुंडा, घनश्याम मुंडा,कनक मुंडा, सुखदेव महतो,राम महतो, सहदेव हरिजन, कमलाकांत मुंडा करमी देवी,रमनी देवी,छुटू मनी देवी,सुलेखा कुमारी, दुर्गा देवी,बाला देवी,हलधर हरिजन,बिपती देवी, पुष्पा महतो,रीता देवी,सरला देवी , अनंत मुंडा,सालु देवी, आदि उपस्थित थे।

सरकार 1932 आधारित नियोजन नीति पर जवाब दे : प्रतुल शाह देव

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा कि 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीय नीति का वादा कर हेमंत सोरेन ने झारखंड के आदिवासी मूलवासी को ठगने का काम किया है और यह सरकार वास्तविक में ठगुआ सरकार है। झारखंड की जनता को यह जानने का पूरा अधिकार है कि छह वर्ष की लंबी सत्ता के बाद भी हेमंत सोरेन सरकार एक भी स्थानीय नियोजन नीति क्यों नहीं ला सकी। आज तक न कटऑफ डेट घोषित हुई, न खतियान आधारित नीति बनी, न युवाओं को कोई ठोस रास्ता मिला। यह सरकार केवल आश्वासन देती है, और फिर उसपर मौन साध लेती है।

प्रतुल ने कहा कि यह वही हेमंत सोरेन हैं जिन्होंने 1932 के खतियान आधारित नीति के मुद्दे पर 2012 में अर्जुन मुंडा सरकार से समर्थन वापस लेकर बड़ा नाटक किया था। तब यह उनके लिए ह्लअसली जनभावनाह्व थी। लेकिन आज, छह वर्षों तक मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बावजूद, नीति के नाम पर शून्य उपलब्धि– इससे बड़ा विडंबनापूर्ण उदाहरण कोई नहीं हो सकता। प्रतुल ने कहा कि सच यह है कि हेमंत सरकार की मंशा नहीं, सिर्फ. मालाझ्रजपने वाली मुनादी है। झारखंड के बेरोजगार युवाओं को भरमाने का खेल अब खुलकर सामने आ चुका है।प्रतुल ने कहा कि खतियान आधारित नियोजन पर सरकार बारझ्रबार जनता को गुमराह कर रही है।छह वर्षों में फाइलें धूल झाड़ती रहीं और सरकार भाषण झाड़ती रही।राज्य के युवा पूछ रहे हैं कि 2012 में जिस नीति पर समर्थन वापस लिया, 2025 तक उसी नीति पर काम क्यों नहीं किया?

75% ठेका स्थानीय लोगों को देने के वादा भी नहीं हुआ पूरा : प्रतुल ने कहा कि वोट लेने के लिए हेमंत सरकार ने आदिवासी मूलवासियों के लिए बड़े-बड़े वादे किए थे जिसमें 75% ठेका स्थानीय लोगों को देने का भी जिक्र था। लेकिन सरकार में आते ही जहांपनाह के सुर बदल गए और अब तो टेंडर में ऐसी कंडीशन रखे जा रहे हैं जिससे स्थानीय कंपनियां हिस्सा ही नहीं दे सकती। यू टर्न करने में इस ठगुआ सरकार का कोई सानी नहीं।

भारतीय खो-खो महासंघ ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

कॉमनवेल्थ खो-खो प्रतियोगिता से कराया अवगत

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को झारखंड विधानसभा में भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर कॉमनवेल्थ खो-खो महासंघ के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष आगामी 9 से 14 मार्च 2026 तक रांची में आयोजित होने वाली प्रथम कॉमनवेल्थ खो-खो प्रतियोगिता के आयोजन संबंधी विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया और राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। ज्ञात हो कि वर्ष 2026 में झारखंड को एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन की मेजबानी मिलने जा रही है। यह प्रतियोगिता झारखंड की धरती पर आयोजित होने वाली पहली अंतरराष्ट्रीय खो-खो स्पर्धा होगी, जिसमें 23 देशों के बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री से भेंट करने वाले प्रतिनिधिमंडल में कॉमनवेल्थ खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल, अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सचिव एमएस त्यागी तथा महासचिव उपकार सिंह विरक शामिल थे। राज्य स्तरीय प्रतिनिधियों में विधायक एवं झारखंड राज्य खो-खो संघ के महासचिव मथुरा प्रसाद महतो, संरक्षक विधायक सीपी सिंह, संघ के चेयरमैन संतोष प्रसाद, महासचिव नवीन कुमार ठाकुर, उपाध्यक्ष विनय कुमार जायसवाल, संयुक्त सचिव आलोक कुमार, डॉ। सुभाष साहू, रोहित कुमार सिंह, रांची जिला सचिव सुनील कुमार यादव, संयुक्त सचिव रवि मुंडा, मोनू शुक्ला, अमित कुमार यादव एवं तपन राउत उपस्थित थे।

जनता के सवालों से मुंह मोड़ रही है भाजपा : विजय शंकर

रांची : झारखंड का शीतकालीन सत्र जिस तरह भाजपा के हंगामे की भेंट चढ़ गया, वह लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधी चोट है। यह केवल सदन की कार्यवाही बाधित होने का मामला नहीं, बल्कि झारखंड की करोड़ों जनता की उम्मीदों और अधिकारों की हत्या है। झारखंड के शीतकालीन सत्र का हंगामे में समाप्त होना लोकतंत्र और जनता–दोनों के साथ सीधा विश्वासघात है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब राज्य के गरीब, मजदूर, किसान, युवाओं और आदिवासीझ्रमूलवासी समाज के सामने बेरोजगारी, महंगाई, पेयजल संकट, सड़कझ्रबिजलीझ्रस्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याएँ खड़ी हैं, तब सदन को जवाबदेही का मंच बनाने के बजाय भाजपा ने उसे जानबूझकर मछली बाजार बना दिया है । उपरोक्त बातें आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कही` उन्होने कहा कि भाजपा का काम अब मुद्दों पर बहस करना नहीं, बल्कि सदन को ठप कराकर जनता की आवाज को दबाना बन गया है।

आरपीएफ ने हटिया रेलवे स्टेशन से 23 किलो गांजा किया बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हटिया रेलवे स्टेशन से 23 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इस कार्रवाई में बिहार के पश्चिमी चंपारण के रहने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार, कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर हटिया स्टेशन परिसर में संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान ड्यूटी पर मौजूद उपनिरीक्षक संतोष कुमार सिंह और फ्लाइंग टीम ने प्लेटफॉर्म पर संदिग्ध रूप से बैठे दो व्यक्तियों को रोका और उनकी तलाशी ली।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।
सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–मोनिका कुमारी, उम्र–19 वर्ष, उँचाई–4 फीट, 10 ईंच, रंग–सॉवला, पहनावा–लाल रंग का साड़ी पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला मोनिका कुमारी, पति–रविलाल मुण्डा, सा0–हरवाडीह, पो0–लोटा, थाना–सिल्ली, जिला–राँची जो दिनांक–08.11.2025 का अपने घर से बगैर बताए कहीं चली जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में सिल्ली थाना सनहा संख्या–20/2025, दिनांक–19.11.2025 दर्ज कर इनकी खाजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली, राँची। – 9431770066
थाना प्रभारी, सिल्ली, राँची। – 9431706153

PR 368086 Police(25-26)D
वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।

पीएम से मिले प्रदेश भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सांगठनिक , राजनीतिक विषयों पर चर्चा की,मार्गदर्शन प्राप्त किया।

हेमंत सरकार स्थानीय समुदायों के हितों के लिए प्रतिबद्ध : विनोद पांडेय

रांची : भाजपा द्वारा लगाए गए आरोपों पर झामुमो ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए भ्रामक बातें फैलाने में लगी है, जबकि हेमंत सोरेन सरकार राज्यहित में ठोस और संवेदनशील कदम उठा रही है। विनोद पांडेय ने भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा-भाजपा नेताओं को पहले यह बताना चाहिए कि 18 वर्षों के लंबे शासनकाल में उसने खतियान आधारित स्थानीय नीति पर क्या काम किया? जिन मुद्दों पर आज सवाल उठाए जा रहे हैं, उन्हीं पर भाजपा की सरकारें वर्षों तक चुप क्यों रहीं? उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने स्थानीय युवाओं के रोजगार, पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया और सामाजिक न्याय को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से काम किया है। नीति निर्माण एक संवैधानिक प्रक्रिया है। सरकार ने इसे जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया है। यह जग जाहिर है कि भाजपा नेता झारखंड के विकास और यहां की अस्मिता से जुड़े हेमंत सरकार के फैसलों को अटकाने का काम करते हैं। 75% ठेका स्थानीय लोगों को देने के मुद्दे पर विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है। सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि स्थानीय ठेकेदारों और उद्यमियों को अधिक अवसर मिले। प्रक्रियाओं को सक्षम, पारदर्शी और व्यावहारिक बनाने के लिए सुधार किए जा रहे हैं। भाजपा बिना तथ्यों की जांच किए दिग्भ्रमित करने के लिए सोच-समझ कर बयान दे रही है। विनोद पांडेय ने कहा कि राज्य सरकार झारखंडी युवाओं और स्थानीय समुदायों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है और भाजपा सिर्फ राजनीति के लिए अनावश्यक विवाद पैदा कर रही है। जनता सब देख रही है और झूठे आरोपों से गुमराह नहीं होगी।

झामुमो की चार वार्ड समितियों का गठन

रांची : झामुमो रांची महानगर की बैठक मंगलवार को कोकर स्थित समाधि स्थल में हुई। अध्यक्षता केंद्रीय समिति सदस्य अंतु तिर्की ने की। इस दौरान वार्ड नंबर 6,8,9 और 10 की वार्ड समिति का गठन किया गया। इसमें राजेश टोप्पो, संतोष सांगा, गुलजार आलम और कुणाल कुमार को अध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा अन्य पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों का भी चुनाव किया गया। मौके पर महानगर संयोजक अश्विनी शर्मा, डॉ हेमलाल कुमार मेहता, अफरोज अंसारी, रामशरण विश्वकर्मा, विश्वजीत गोप, मनिंदर सिंह, सुषमा बरदेवा, प्रदीप मिर्धा, विजय महतो, समनूर मंसूरी, शमशाद मल्लिक, डॉ तालेश्वर महतो, पुष्पा बरदेवा, लालजी रमन, अशोक लोहरा सहित अन्य उपस्थित थे।

69वीं राष्ट्रीय स्कूली शूटिंग प्रतियोगिता में झारखंड को स्वर्ण

अभिनव पाठक का गोल्ड पर निशाना

संवाददाता

रांची: मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली शूटिंग प्रतियोगिता में झारखंड ने एक बार फिर अपना दमखम दिखाया है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अधीन झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (खएढउ) की अगुवाई में राज्य की अंडर-17 बालक टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। खासकर अभिनव पाठक ने 10 मीटर एयर राइफल ओपन साइट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर झारखंड को राष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया।

6 से 9 दिसंबर 2025 तक मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित द एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के शीर्ष प्रतिभाशाली निशानेबाजों ने हिस्सा लिया। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच अभिनव ने अपनी एकाग्रता, तकनीक और सटीक निशानेबाजी से निर्णायक बढ़त बनाई। लगातार स्थिर प्रदर्शन करते हुए उन्होंने फाइनल दौर में बेहतरीन स्कोर करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

अभिनव पाठक की इस जीत के पीछे उनके कोच/मैनेजर अनुज कुमार और संजय कुमार यादव का योगदान भी अहम रहा। दोनों प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में तैयार हुए झारखंड दल ने प्रतियोगिता में अनुशासन, तकनीकी दक्षता और मनोबल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। टीम प्रबंधन ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा खेल सुविधाओं और प्रशिक्षण प्रक्रियाओं में किए जा रहे सुधारों का सीधा लाभ खिलाड़ियों को मिल रहा है।

अभिनव की इस उपलब्धि पर पूरे राज्य में खुशी की लहर है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अभिनव को बधाई देते हुए कहा कि राज्य के युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा लगातार राष्ट्रीय मंच पर चमक रही है और यह झारखंड के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उन्होंने कहा कि सरकार खेल बुनियादी ढांचे और खिलाड़ियों को आवश्यकता अनुसार संसाधन उपलब्ध कराने के प्रति प्रतिबद्ध है। शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह, परियोजना निदेशक शशि रंजन, प्रशासी पदाधिकारी सच्चिदानंद द्विवेदी तिग्गा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए। सोरेंग और राज्य खेल कोषांग के अन्य सदस्यों ने भी अभिनव के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की है। सभी ने संयुक्त रूप से कहा कि यह स्वर्ण पदक न सिर्फ अभिनव की मेहनत का परिणाम है, बल्कि पूरे राज्य के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है।

अभिनव पाठक की जीत ने यह साबित कर दिया है कि सही प्रशिक्षण, मजबूत इच्छाशक्ति और सरकारी सहयोग से झारखंड के खिलाड़ी किसी भी राष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ सकते हैं। राज्य की ओर से अब उम्मीद है कि आने वाले दिनों में और भी युवा खिलाड़ी विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई उपलब्धियां हासिल करेंगे।

अनुसूची–I
झारखण्ड सरकार
पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग, राँची।

विज्ञप्ति संख्या –624 दिनांक–09.12.2025

पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग, राँची के लिए बाह्य स्रोत से वाहन उपलब्ध कराने हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता के लिए अल्पकालीन पुनः आवेदन पत्र आमंत्रण सूचना।

वित्त विभाग, झारखण्ड सरकार के संकल्प संख्या–2316 दिनांक–04.10.2024 के क्रम में पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग, राँची के लिए बाह्य स्रोत से वाहनों की आपूर्ति किये जाने हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ताओं का चयन कर वाहन का दर निर्धारण किया जाना है। अतः ऐसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता, जो पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग, राँची द्वारा निर्धारित शर्तों के अन्तर्गत (Innova Crysta, Hyudai Verna, Honda City, Volkswagen Virtus, Skoda Salavia, Maruti Suzuki Swift Dezire, Honda Amaze, Mahindra Scorpio) वाहन उपलब्ध कराने में सहमत है, से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि दिनांक– 24.12.2025 है। आवेदन पत्र का प्रारूप एवं शर्तें तथा अन्य विवरण पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग, राँची के अधिकारिक वेबसाईट https://www.jharkhand.gov.in/scbc डाउनलोड किये जा सकते है।

ह0/–
(के0 के0 सिंह)
सदस्य सचिव।
पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग,राँची।

PR 368118 (State Commision for Backward Classes) 25-26 (D)

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

बदलती दुनिया में भारत रूस की अटल साझेदारी

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में सक्रिय और आवश्यक घटक है। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को ह्यध्रुव तारे की तरह स्थिरह्न कहा तो वह केवल कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं। इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने ह्यभारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030ह्न नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली साहसिक पहल भी है। भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। साल 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है। शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढ़ांचे को सुदृढ़ करेगा। फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए ह्यफार्मेसी ऑफ द ग्लोबह्न बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाइयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है। सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यवहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलेक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा। भारत द्वारा रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन तक मुफ्त ई-टूरिस्ट वीजा की घोषणा कूटनीति को लोगों की चेतना में स्थापित करती है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव की पुनर्पुष्टि है, जिसमें बौद्ध परंपरा, योग, भारत-रूस सांस्कृतिक आकर्षण और ऐतिहासिक धारा की निरंतरता उपस्थित है। यह पहल वैश्विक सूचना-राजनीति के युग में ह्यनैरेटिव स्वायत्तताह्न के निर्माण की ओर भी संकेत करती है, जिसे रूस के ह्यआरटी इंडियाह्न ब्यूरो की स्थापना आगे बढ़ाएगी।

इस शिखर वार्ता में यूक्रेन संकट पर भारत की स्थिति ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की नई भूमिका को स्पष्ट किया। भारत न तो किसी ध्रुव में समाहित है, न ही किसी वैश्विक सुरक्षा-प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बल्कि वह शांतिवादी और वैचारिक नेतृत्व के नए मॉडल के रूप में उभरा है। ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर भारत और रूस का समन्वय बहुध्रुवीय व्यवस्था के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। यह संबंध केवल सुरक्षा और सामरिक हितों से परे है, यह एक सभ्यतामूलक विमर्श है, जहां भारत और रूस अमेरिकी-यूरोपीय प्रभाव-क्षेत्र की एकध्रुवीयता को चुनौती देते हुए वैश्विक संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

रक्षा क्षेत्र में ब्रह्मोस मिसाइल, सुखोई विमान, एस-400 सिस्टम और नई तकनीकों पर साझेदारी यह स्पष्ट करती है कि दोनों देशों का सुरक्षा बंधन साझा रणनीतिक विश्वास का परिणाम है। पहलगाम और मॉस्को हमलों के संदर्भ में आतंकवाद विरोधी एकजुटता की घोषणा यह सिद्ध करती है कि भारत और रूस नए खतरों की प्रकृति को समझते हैं और समाधान तलाशने में भी एकमत हैं। इन सभी आयामों का संकलन बताता है कि भारत-रूस संबंध न तो बीते युग की स्मृति हैं, न ही समीपस्थ हितों की आकस्मिक आवश्यकता। यह रिश्ते का वह मॉडल है, जो विश्वास, समय, भू-राजनीति,तकनीकी क्षमता और साझा दृष्टि के संयोग से निर्मित हुआ है। यह केवल दो राष्ट्रों का गठजोड़ नहीं, दो सभ्यताओं का मार्गदर्शन है। ध्रुव तारे की उपमा इसीलिए सार्थक है क्योंकि ध्रुव तारा केवल चमकता नहीं, दिशा भी देता है। भारत और रूस का संबंध भी दिशा-निर्देशक है, नई विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने वाला, वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को पहचान देने वाला और शक्ति-संतुलन को न्यायपूर्ण बनाने वाला।

वंदे मातरम : भारतीय चेतना को ऊर्जा से भर देनेवाला अमर गीत

एक दृष्टि यदि इसके इतिहास पर डालें तो 1870 के दशक में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने जब वंदे मातरम् की रचना की, तब वे शायद स्वयं भी नहीं जानते थे कि उनकी यह कविता एक दिन भारतीय स?वाधीनता के आह्वान का कारण बन जाएगी। सात नवंबर 1875 को बंगदर्शन में प्रकाशित इस गीत को उन्होंने बाद में अपने ऐतिहासिक उपन्यास आनंदमठ में स्थान दिया।

चतुर्वेदी

भारत जैसे उत्कट आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राष्ट्र में यदि किसी शब्द ने सबसे अधिक ऊर्जा, सबसे अधिक प्रेरणा और सबसे अधिक एकता का संचार किया है, तो वह है वंदे मातरम। किंतु विडंबना यह है कि इसी भूमि पर जन्मे कुछ लोग आज इस राष्ट्रीय गीत को स्वीकार करने में भी हिचकते हैं। यह विरोध वास्तव में कहना चाहिए कि उस भावना का अस्वीकार है जिसने भारत को स्वतंत्रता के पथ पर आगे बढ़ाया और उसके नागरिकों में मातृभूमि के प्रति समर्पण की चेतना भरी। भारतीय संस्कृति में भूमि को माता मानना किसी धर्म-ग्रंथ का उपदेश नहीं है, यह तो सहस्त्राब्दियों से चली आ रही जीवनशैली है। जो धरती हमें अन्न देती है, जल देती है, जीवन देती है उसे ह्लमांह्व कहना स्वाभाविक है। किंतु आज यही सरल, स्वाभाविक भावना कुछ लोगों को अपने मजहबी चश्मे से देखकर भारी लगती है। यह सोच देखा जाए तो सिर्फ तर्कहीन होने तक सीमित नहीं है, इससे राष्ट्र की सामूहिक चेतना तो भी भारी ठेस पहुंचती है। एक दृष्टि यदि इसके इतिहास पर डालें तो 1870 के दशक में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने जब वंदे मातरम् की रचना की, तब वे शायद स्वयं भी नहीं जानते थे कि उनकी यह कविता एक दिन भारतीय स?वाधीनता के आह्वान का कारण बन जाएगी। सात नवंबर 1875 को बंगदर्शन में प्रकाशित इस गीत को उन्होंने बाद में अपने ऐतिहासिक उपन्यास आनंदमठ में स्थान दिया। यह गीत साहित्य तक सीमित नहीं रहा, ये सीधे तौर पर मातृभूमि की आराधना है, प्रकृति का उत्सव है और भारतीय अस्मिता का घोष है। इसीलिए ही संविधान सभा ने 1950 में इसे राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार करके इसे राष्ट्र चेतना के केंद्र में स्थायी स्थान दिया है। इस एतिहासिक तथ?य को भी नहीं भूलना चाहिए कि 1905 के बंगाल विभाजन ने वंदे मातरम् को वह शक्ति दी, जिसने इसे आंदोलन की धड़कन बना दिया। छात्र, युवा, स्त्रियां, किसान सब इस गीत को गाते हुए ब्रिटिश शासन के विरुद्ध खड़े हुए। अरविंदो घोष, बिपिन चंद्र पाल, बाल गंगाधर तिलक, यहां तक कि क्रांतिकारी दलों ने भी इसे अपना प्रेरणामंत्र बनाया। कहना होगा कि परतंत्रता के अंधेरे में यही गीत सूर्य सा चमका और भारतीयों को साहस देता रहा। ब्रिटिश सत्ता को डर था कि यह गीत जनांदोलन को विश्वज्वाला बना देगा इसलिए स्कूलों से लेकर सार्वजनिक स्थलों तक इसके गायन पर प्रतिबंध लगाए गए। किंतु क्या साम्राज्य की ताकत एक गीत की शक्ति को रोक सकी? नहीं। जितना दमन हुआ, उतनी ही तेज इसके स्वर उठे। वर्ष 1907 में मैडम भीकाजी कामा ने जर्मनी के स्टटगार्ट में भारत का पहला तिरंगा फहराया। तिरंगे पर लिखा था ह्लवंदे मातरम्।ह्व वह क्षण तत?कालीन समय में प्रतीकात्मक नहीं रहा था, वह तो भारत की अंतरराष्ट्रीय घोषणा थी कि इस राष्ट्र की चेतना पुकार रही है, वह दबी नहीं है, वह जागृत है और अपनी स?वाधीनता तक अनवरत वह संघर्ष करती रहेगी। किंतु दुर्भाग?य जब पूरी दुनिया में ह्लवंदे मातरम्ह्व भारतीय स्वाधीनता का पर्याय बन चुका था, तभी 1908 में मुस्लिम लीग ने इसे इस्लाम विरोधी बताकर विरोध शुरू किया। तर्क यह दिया गया कि गीत के कुछ छंद देवी-उपासना की ओर संकेत करते हैं।

यह विरोध आगे बढ़ा और 1937 में कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में एक समिति बनाकर गीत की समीक्षा करवाई। मौलाना आजाद ने स्पष्ट कहा कि पहले दो पद किसी मजहबी भावना को नहीं ठेस पहुंचाते। परिणामस्वरूप गीत का संक्षिप्त दो पदों वाला स्वरूप स्वीकार किया गया। किंतु प्रश्न यह है क्या किसी धार्मिक भावना के नाम पर राष्ट्र की भावना को सीमित किया जा सकता है? क्या मातृभूमि को ह्लमाताह्व कहना किसी भी मजहब की कसौटी पर अपराध है? समय बदला, सत्ता बदली, बहसें बदलीं, पर मानसिकता वही रही। आज भी कुछ राजनेता और संगठन इस गीत का विरोध केवल राजनीतिक या सांप्रदायिक पहचान के नाम पर सेक?युलकर चश?मे से करना चाहते हैं। कभी इसे ह्लइस्लाम विरोधीह्व कहा जाता है, कभी ह्लसेकुलरिज?म के खिलाफह्व बताया जाता है। इसी मानसिकता के चलते बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक बार-बार विरोध देखने को मिलता है। मदरसे तक इस पर फतवा जारी कर चुके हैं कि ह्लवंदे मातरम् कहना हराम है।ह्व सवाल उठता है, क्या इस धरती को मां कहना हराम है या वह मानसिकता हराम है जो राष्ट्रभक्ति को मजहबी चश्मे से तौलती है? कहना होगा कि आज 150 साल बाद भी वंदे मातरम् सिर्फ एक कविता नहीं है, यह भारतीयता की जागृत चेतना है, जिसमें संपूर्ण भारत का कण-कण समाया हुआ है। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस न जाने कितने ही वीरों के कंठों में यह गीत गाया जाता रहा है। यह वह धुन है जिसने एक परतंत्र देश को स्वतंत्रता की राह दिखाई है। यह उन?हें गहराई से समझना होगा जो इसका विरोध करते हैं कि वंदे मातरम् कहने का अर्थ किसी देवी की पूजा करना नहीं है, यह मातृभूमि को प्रणाम करना है। क्या कोई भी धर्म अपनी धरती का सम्मान करने से रोकता है? नहीं।किंतु यदि कोई व्यक्ति इस सरल सम्मान को भी मजहब की दीवारों के भीतर बंद कर देता है, तो वह राष्ट्र की साझा चेतना से कट जाना है। किसी को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत एक ऐसा देश है, जहाँ मंदिरों से लेकर हर जगह एक ही मिट्टी की खुशबू है। जब वही मिट्टी जीवन का आधार देती है, तो उसे ह्लमांह्व कहना सांस्कृतिक कृतज्ञता है, धार्मिक अनुष्ठान नहीं। राष्ट्रगीत का विरोधः राष्ट्रधर्म का अपमान

धार्मिक स्वतंत्रता भारत की विशिष्ट पहचान है, पर राष्ट्रगीत का विरोध धार्मिक स्वतंत्रता नहीं, राष्ट्रचेतना से विमुखता है। ऐसे में आज संसद में हो रही चचाएँ सिर्फ इतिहास का पुनरावलोकन नहीं है, यह भावी पीढ़ियों को यह स्मरण दिलाने का अवसर हैं कि देश से प्रेम ही सच्चा राष्ट्रधर्म है। जिसमें कि वंदे मातरम् का विरोध करना इतिहास का भी अपमान है और उन लाखों बलिदानियों का भी, जिन्होंने इसके स्वरों के साथ फांसी के फंदे को हंसते हुए चूमा है। यह गीत हमें जोड़ता है, प्रेरित करता है और यह स्मृति दिलाता है कि हम उस महान भूमि की संतान हैं, जो इस भूमि को मां कहता है। जब यह गीत अपनी 150वीं वर्षगांठ मना रहा है, तब यह हर भारतीय का कर्तव्य है कि वह अपनी व्यक्तिगत या मजहबी सीमाओं से ऊपर उठकर इसके भाव से स्वयं को जोड़े। क्योंकि वंदे मातरम् एक सीमित स्वर से कहीं अधिक ०?यापक, एक शाश्वत नाद है, जिसने इस देश को आत्मगौरव और स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया है। यही हमारी पहचान है, यही हमारी श्रद्धा। वंदे मातरम्। भारत माता की जय!

गोवा की त्रासदी और भ्रष्टाचार की वह आग जिसने 25 जीवन छीन लिए

वह क्लब जिसे नियमों के अनुसार ध्वस्त कर दिया जाना चाहिए था, जहाँ कानूनी मानकों का पालन अनिवार्य था, वहाँ कुछ व्यक्तियों के लालच ने कानून को अपनी जेब में रखा और रिश्वत की आग में जन जीवन की सुरक्षा को भस्म कर दिया। यह वही क्षण था जहाँ प्रशासनिक सत्य दम तोड़ गया और भ्रष्टाचार एक मौन हत्यारे की तरह भीतर तक उतर गया।

कैलाश चन्द्र

गोवा की वह रात आज भी भारत की सामूहिक स्मृति में एक गहरे घाव की तरह दर्ज है, एक ऐसा घाव जिसका दर्द सिर्फ उन 25 परिवारों ने नहीं झेला जिनके घरों के चिराग उस हादसे में बुझ गए, इसे तो पूरे समाज ने महसूस किया है। सिलेंडर विस्फोट सिर्फ एक दुर्घटना नहीं है; वह उस अदृश्य लेकिन सर्वव्यापी दानव भ्रष्टाचार का नग्न, क्रूर और निर्दयी चेहरा है जिसने मानव जीवन की पवित्रता को पैसों की चकाचौंध में कुचलकर रख दिया। वह क्लब जिसे नियमों के अनुसार ध्वस्त कर दिया जाना चाहिए था, जहाँ कानूनी मानकों का पालन अनिवार्य था, वहाँ कुछ व्यक्तियों के लालच ने कानून को अपनी जेब में रखा और रिश्वत की आग में जन जीवन की सुरक्षा को भस्म कर दिया। यह वही क्षण था जहाँ प्रशासनिक सत्य दम तोड़ गया और भ्रष्टाचार एक मौन हत्यारे की तरह भीतर तक उतर गया। परिणाम 25 जीवन राख में बदल गए, 25 परिवारों के भविष्य दफन हो गए और अनगिनत सपनों की लौ हमेशा के लिए बुझ गई। भ्रष्टाचार की सबसे भयावह सच्चाई यही है कि उसका दंड अकसर अपराधी को नहीं मिलता; वह उन निर्दोष लोगों पर टूटता है जिनका अपराध से कोई लेना देना ही नहीं होता। यही सामाजिक त्रासदी है और यही हमारी सामूहिक नैतिक विफलता। इस घटना में दोष उन हाथों का है जिन्होंने नियमों की अनदेखी की, कागजों पर झूठी अनुमति लिखी, निरीक्षण को औपचारिकता में बदल दिया और एक इमारत को गैर कानूनी सहारे पर खड़ा रहने दिया। पर दंड मिला उन मासूम लोगों को, जो न आनंद की रात की कल्पना से बाहर थे और न किसी खतरे की आहट से परिचित। जीवन कभी-कभी इतनी निर्ममता से इंसाफ करता है कि दोषी बच निकलते हैं और निर्दोष बेबस होकर दंडित हो जाते हैं। गोवा की यह त्रासदी उसी विडंबना का सबसे दर्दनाक उदाहरण है। इस हादसे की जड़ में मात्र तकनीकी खामियाँ नहीं हैं। अग्निशमन यंत्र नहीं थे, सुरक्षा द्वार अनुपस्थित थे, आपातकालीन रास्ते अपर्याप्त थे, पर यह केवल आधा सच है। पूरा सच तो वह है जिसे समाज बोलते हुए भी डरता है। इस त्रासदी की नींव उस भ्रष्ट मानसिकता ने रखी थी जो वर्षों से कानून का गला उसी तरह दबाती रही है जैसे रात में वह आग ने उन 25 लोगों का दम घोंट दिया। रिश्वत की वह अदृश्य मुद्रा, अनुमतियों का वह छलावा, निरीक्षण की वह औपचारिकता और प्रभावशाली लोगों का वह दबदबा, इन सबने मिलकर उस इमारत को बचाए रखा जो गिरनी चाहिए थी। जब वह इमारत गिरी, तो अपने साथ केवल दीवारें नहीं गिरीं, माएँ गिरीं, पिता गिरे, बच्चों की हँसी गिरी, परिवारों का भविष्य गायब हो गया। यही भ्रष्टाचार का स्वभाव है। वह केवल नैतिकता नहीं खाता, वह जीवन खाता है, विश्वास खाता है और समाज की रीढ़ को खोखला कर देता है। भारतीय दर्शन ने सदियों पहले चेतावनी दी थी कि अधर्म का अंत निश्चित है; धर्म की रक्षा करने वाला ही सुरक्षित रहता है। यह केवल धार्मिक उपदेश नहीं है, यह तो समाज व्यवहार का कठोर मनोवैज्ञानिक सिद्धांत है। भ्रष्टाचार से कमाया गया हर पैसा, हर सुविधा, हर अनुचित लाभ एक कर्म ऋण लेकर आता है। एक ऐसा ऋण जिसे समय किसी न किसी रूप में वसूल ही लेता है। कई बार प्रकृति वह दंड उसी से नहीं लेती जिसने गलती की; वह दंड समाज को सहना पड़ता है, व्यवस्था को चुकाना पड़ता है या किसी मासूम की अकाल मृत्यु के रूप में सामने आता है। गोवा की यह घटना इस कर्म ऋण की भयावह परिणति है!

हम अक्सर कहते हैं कि भ्रष्टाचार सिस्टम की कमजोरी है, पर गोवा का सच कहता है कि भ्रष्टाचार दरअसल एक मानव हत्या की प्रक्रिया है। यह किसी एक विभाग, एक अफसर, एक व्यापारी का दोष नहीं; यह समाज के उस सामूहिक मौन का परिणाम है जहाँ कानून को कमजोर करने वालों को हम देखते तो हैं, पर हाथ नहीं उठाते, गलत को पहचानते हैं, पर बोलने का साहस नहीं करते। जब कानून की जगह पैसे का असर ले लेता है और नैतिकता की जगह लाभ का गणित बैठ जाता है, तब दुर्घटनाएँ आकस्मिक नहीं रह जातीं, वे नियोजित परिणाम बन जाती हैं। सुरक्षा एक भ्रम की तरह टूटता है और जीवन एक संख्या में बदल जाता है। अब प्रश्न यह है कि क्या हम केवल आँकड़ों तक सीमित रहने वाले समाज बन जाएँगे? क्या 25 की संख्या हमें एक दिन रुलाएगी और अगले दिन हम आगे बढ़ जाएँगे? क्या मासूमों का यह बलिदान केवल कुछ दिनों की खबर बनकर रह जाएगा या यह हमें भीतर तक झकझोर कर उत्प्रेरित करेगा कि भ्रष्टाचार किसी एक का दोष नहीं। यह हमारी सामूहिक सहिष्णुता की उपज है। यदि समाज भ्रष्टाचार को सामान्य मानकर चलता रहेगा, तो ऐसी त्रासदियाँ अपवाद नहीं, धीरे धीरे नियम बन जाएँगी। ऐसे में यही वह क्षण है जहाँ हमें अपने भीतर झाँकना होगा। हम कहाँ चूक रहे हैं? कब जागेंगे? कब बोलेंगे? कब विरोध करेंगे?

गोवा की यह पीड़ा चेतावनी है कि भ्रष्टाचार का फल कभी न कभी प्रकट होता ही है। चाहे सत्ता के पतन में, चाहे परिवारों के विनाश में, चाहे मासूम जीवन की अकाल मृत्यु में। केवल अपराधी का नाम ढूँढ लेना पर्याप्त नहीं; समाज को स्वयं से भी पूछना होगा कि हम कब जागेंगे? हम अपने आचरण में कब परिवर्तन लाएँगे? सावधानी हटी, दुर्घटना घटी। यह शब?द कहावत तक सीमित नहीं हैं, ये एक जन त्रासदी का कठोर सत्य है। अब प्रश्न यह नहीं कि दोषी कौन है; बल्कि यह है कि भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने की सामूहिक जिम्मेदारी कौन उठाएगा? व्यक्ति, समाज, प्रशासन और सरकार सभी को विचार करना होगा, निर्णय लेना होगा और कार्रवाई करनी होगी। सबसे आसान है नियति को दोष देकर आगे बढ़ जाना; पर मानवता उससे कहीं बड़ा प्रश्न पूछती है कि क्या 25 जीवनों का मूल्य केवल शोक के कुछ शब्दों में सिमट सकता है या हम उनका कर्ज जिम्मेदारी बनकर चुकाएँगे।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वतंत्र लेखक हैं)

जहां बिन मांगे ही पूरी हो जाती हैं मुरादें

भगवान राम के अन्नयन भक्त हनुमान जी ऐसी शक्ति हैं, जो भले ही एक बानर के रूप में हों, पर उनकी कृपा जिस पर होती है, उसे राम की कृपा अपने आप मिल जाती है। राजस्थान के हाड़ौती क्षेत्र के प्रसिद्ध बूंदी जिले में स्थित रामगंज का बालाजी मंदिर एक ऐसी ही शक्ति का प्रतीक है। यहां भक्तों को बिना कोई विशेष अरदास किए ही हनुमान जी, अर्थात बालाजी, उनकी मनोकामना समझकर पूरी कर देते हैं।

चमत्कारी रूप

हनुमान जी को बालाजी, बजरंगबली, संकटमोचक और हनु जैसे विभिन्न नामों से पूजा जाता है। उनकी शक्तियां इतनी चमत्कारी हैं कि उनके विषय में कुछ भी कहना मुश्किल है। एक उदाहरण के रूप में, जब हनुमान जी ने सूर्यदेव को अपने मुख में समा लिया था, तो समस्त संसार में हलचल मच गई थी। रामगंज बालाजी मंदिर में हनुमान जी की जो मूर्ति है, वह सूर्य के तेज की तरह प्रदीप्त होती है और चमत्कारी गुणों से भरी हुई है।

स्थापत्य और इतिहास

यह बालाजी धाम बूंदी से लगभग आठ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मंदिर का इतिहास आधी सदी से भी पुराना बताया जाता है, लेकिन मंदिर के स्थापत्य से यह स्पष्ट होता है कि यह हाड़ा राजपूतों के काल का है। बूंदी के किले की वास्तुकला के समान, इस मंदिर की शैली भी नागर और भूमिज शैली का मिश्रण प्रतीत होती है। प्रवेश द्वार का रूप बूंदी किले के झूला चौका जैसा है, जो इस स्थल की ऐतिहासिकता और महत्व को और बढ़ा देता है।

राम दरबार और बालाजी की मूर्ति

रामगंज के बालाजी मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति के ठीक सामने भगवान राम अपनी पत्नी सीता माता और भाई लक्ष्मण के साथ विराजमान हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भक्तों के दर्शन करने के बाद स्वयं बालाजी और राम दरबार के दर्शन हो जाते हैं, जो आस्थावान व्यक्ति के लिए एक दिव्य अनुभव होता है।

यहां की विशेष मूर्ति में हनुमान जी का मुख स्वर्ण आभा से चमकता हुआ और उनकी स्थिति बैठी हुई प्रतीत होती है। सबसे विशिष्ट बात यह है कि उनके हाथ में कमल का फूल है। यह विशेषता मंदिर के अन्य बालाजी मंदिरों से इस मूर्ति को अलग बनाती है।

कमल के फूल का महत्व

कुछ लोग यह मानते हैं कि यदि किसी व्यक्ति के जीवन में कोई बाधा या संकट आ रहा हो, तो यहां कमल के फूल को चढ़ाने से वह बाधा दूर हो जाती है। हनुमान जी के हाथ में गदा या धनुष-बाण तो सामान्य रूप से होते हैं, लेकिन कमल का फूल उनकी शक्ति को विशिष्ट और अद्भुत बनाता है।

एक प्रसिद्ध कथा के अनुसार, हनुमान जी को एक बार भगवान राम के लिए 108 नील कमल के पुष्प लाने थे, लेकिन एक कमल कम पड़ गया। तब हनुमान जी ने अपने एक नेत्र को प्रभु के चरणों में समर्पित कर दिया।

टिप्स

मोटापा और पिंपल्स से छुटकारा

वीगन एक लाइफस्टाइल और आहार है जो पूरी तरह से पशु उत्पादों से मुक्त होता है। वीगन लोग न केवल मांस, डेयरी उत्पादों और अंडों से परहेज करते हैं, बल्कि किसी भी प्रकार के पशु उत्पाद जैसे शहद, जिलेटिन और कुछ प्रकार के खाद्य पर्दाथ का भी सेवन नहीं करते। इसके अलावा, वीगन लोग अक्सर पशुओं से बने कपड़े, ब्यूटी प्रोडक्ट और अन्य उत्पादों का भी इस्तेमाल नहीं करते। वीगन आहार में फल, सब्जियां, अनाज, नट्स और बीज शामिल होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक माने जाते हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे वीगन डाइट लेने से क्या-क्या होता है, यह शरीर, स्किन और ओवरऑल हेल्थ को कैसे लाभ पहुंचाता है। वीगन डाइट चेहरे को चमकदार बनाती है शाकाहार अपनाने से आपकी चेहरे की चमक दोगुनी हो जाती है। कहा जाता है कि जो हम खाते हैं, उसका असर हमारी त्वचा पर जरुर दिखता है। इसलिए आप फ्रूट्स, सब्जियां, मेवों और बीजों को जरुर खाएं। इनके सेवन से स्वस्थ और चमकदार त्वचा बन जाती है। बेरीज, पालक, फूलगोभी, ब्रोकोली और गाजर जैसे सब्जियां खाने से शरीर को एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ए, सी और ई से प्राप्त होता है। इनके सेवन से समय से पहले एजिंग साइन्स नहीं आते है। वहीं, चेहरे की झुर्रियां गायब हो जाती है, जिससे स्किन ग्लोइंग बनती है। जैसा कि हम सभी जानते हैं, फलों और सब्जियों में पानी की मात्रा अधिक होती है जो शरीर को प्राकृतिक रूप से हाइड्रेटेड रखती है। हर व्यक्ति को अपने दैनिक आहार में खीरा, संतरा और खरबूजा जैसे फल और सब्जियां शामिल करनी चाहिए।
अपनी डाइट में से डेयरी उत्पादों और ऑयली पदार्थों को हटाने से अक्सर मुंहासों, काले धब्बों और पिगमेंटेशन को कम करने में मदद मिलती है। क्योंकि डेयरी प्रोडक्ट्स और ऑयली फूड खाने से हमारे शरीर में हार्मोनल असंतुलन और अतिरिक्त सीबम उत्पादन को बढ़ावा मिलता हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों के साथ भेदभाव कानूनन अपराध है : अखिल कुमार

एजेंसी

साहिबगंज : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश तथा झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज की ओर से और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार अखिल कुमार के मार्गदर्शन में एचआईवी एवं एड्स रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए जिलेभर में व्यापक जागरूकता व स्वास्थ्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि कार्यक्रमों का उद्देश्य एचआईवी व एड्स रोकथाम एवं नियंत्रण अधिनियम, 2017 के तहत प्रभावित व्यक्तियों के अधिकारों के प्रति समाज को जागरूक करना भेदभाव को खत्म करना व स्वास्थ्य सेवाओं तक सभी की समान पहुंच सुनिश्चित करना रहा।इस अवसर पर पैरा लीगल वालंटियर्स, स्वास्थ्य विभाग, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम, विधिक सत्र आयोजित किए गए। मंडल कारा साहेबगंज में आयोजित विशेष शिविर में कारा चिकित्सक डॉ. मोहन मुर्मू एवं आईसीटीसी काउंसिलर बसंत महतो ने बंदियों की एचआईवी एवं एड्स कि रोकथाम के लिए परामर्श दिए `जिले के विभिन्न विद्यालयों में भी जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए, जहां लीगल एड डिफेन्स काउंसिल श्री रविन्द्र श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को एचआईवी एड्स से बचाव, सामाजिक जिम्मेदारियों और कानूनी अधिकारों की जानकारी दी।कार्यक्रमों में बताया गया कि अधिनियम, 2017 के अनुसार एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों के साथ भेदभाव कानूनन अपराध है।साथ ही सभी प्रभावित व्यक्तियों को निःशुल्क एंटी-रेट्रोवायरल ट्रीटमेंट प्राप्त करना उनका कानूनी अधिकार है। कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया गया कि एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता और सहयोग ही इसे रोकने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

आदिवासी महापर्व सोहराय मनाने को लेकर हुई बैठक

संवाददाता

साहिबगंज:13 से 18 जनवरी तक साहिबगंज महाविद्यालय स्थित छात्रवास परिसर में आदिवासी महापर्व सोहराय मनाया जाने को लेकर छात्र नायक श्रीलाल मुर्मू के नेतृत्व में छात्रों की बैठक हुई।छात्र नायक ने बताया कि 13 जनवरी को ऊम,14 जनवरी को दाका,15 जनवरी को खुटाव,16 जनवरी को जाली,17 जनवरी को हाकु काटकम,18 जनवरी को सकरात के साथ पर्व का समापन किया जाएगा। 18 जनवरी को सोहराय पर्व के समापन के दिन कई अतिथि,शिक्षक व आदिवासी समाज के गाणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।मौके पर सचिव संदीप मुर्मू,अनपा टुडू,पूर्व छात्र नायक विनोद मुर्मू,मोहन हेंब्रम,अजय टुडू,मसीह टुडू,जोसेफ हेंब्रम,सीरिल मुर्मू,चंदन मुर्मू,रेणु हेंब्रम,रसिकल दा जेठा हेंब्रम,ललित हांसदा जोसेफ हांसदा,अविनाश हेंब्रम,दीपक हेंब्रम,सोनेलाल मुर्मू व अन्य मौजूद थे।

न्यूज IN ब्रीफ

धरातल पर ट्रामा सेंटर संचालित नहीं है : विधायक

साहिबगंज:राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने शीतकालीन सत्र में तारांकित प्रश्न के तहत साहिबगंज सदर अस्पताल एवं राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में ट्रामा सेंटर खोलने का प्रस्ताव रखे हैं.उन्होंने सदन में मुद्दे को प्रमुखता से रखते हुए कहा कि विभाग ने प्रश्न के उत्तर में कहा है कि राज्य के 49 स्थान पर ट्रामा सेंटर संचालित होने की अनुशंसा है। जिसमें साहिबगंज जिले के अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोटालपोखर भी सम्मिलित है।वर्ष 2021 में इन स्थलों का मैपिंग किया गया था ।विधायक ने सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहे हैं कि धरातल पर ट्रामा सेंटर संचालित नहीं है और आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु हो रही है। अगर सुविधा ट्रामा सेंटर के माध्यम से बेहतर होगी तो निश्चित ही जीवन रक्षक साबित होगी. उन्होंने कहा कि साहिबगंज सदर अस्पताल एवं अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल में ट्रामा सेंटर खोला जाए. सदन के माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने प्रश्न के उत्तर में अपनी बातों को रखते हुए कहा कि पर्याप्त संसाधन के साथ जल्द ही ट्रामा सेंटर का विधिवत संचालन कराया जाएगा।उन्होंने विधायक को आश्वस्त किया कि विधायक के साथ स्वयं भी जिला भ्रमण करते हुए बेहतर स्वास्थ्य सुविधा बहाल करने की दिशा में सकारात्मक पहल करेंगे।

शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें : हेमंत सती

संवाददाता

साहिबगंज:समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती ने जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याएं सुनी। जनता दरबार में जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने अपनी समस्याओं से उपायुक्त से अवगत कराया। उपायुक्त ने लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी साथ ही उनके सामाधान को लेकर उन्हें आश्वस्त कराया।संज्ञान में आए हुए शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने की बात कही। गौरतलब है कि जनता दरबार के दौरान शिकायत के रूप में आए आवेदन विभिन्न विभागों व योजना से संबंधित एवं असंबंधित रहे।जनता दरबार में शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनका समाधान करने को लेकर निर्देशित किया। सभी आवेदनों की भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें।

शोकाकुल झामुमो कार्यकर्ता राजू अंसारी से मिले पार्टी के पदाधिकारी

साहिबगंज :झामुमो कार्यकर्ता राजू अंसारी के पिता के निधन पर शोकाकुल परिवार से मिलने मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला अध्यक्ष अरुण सिंह, सांसद प्रतिनिधि संजीव सामु हेंब्रम, जिला सचिव सुरेश टूडू,केंद्रीय समिति सदस्य बबलू मिश्रा,रहमान अंसारी सहित अन्य उनके आवास पर पहुंचे। जिला अध्यक्ष सहित पार्टी पदाधिकारियों ने राजू अंसारी की माता व परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए ढांढस बंधाया।वहीं ईश्वर से शोक संतप्त परिवार को संबल प्रदान करने की कामना की।

बच्चों के बौद्धिक विकास के साथ परिजनों को काफी कुछ सीखने को मिलेगा : बासुकिनाथ

संवाददाता

साहिबगंज : सदर प्रखंड स्थित बीआरसी भवन मे प्रजायत्न संस्था और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में कक्षा 01 से 05 तक के बच्चों के लिए गणित मेला का आयोजन किया। जबकि मेले में बीडीओ सह सीओ बासुकिनाथ टुडू,बीईईओ और बीपीओ शामिल हुए साथ ही बीआरपी,सीआरपी शिक्षकों ने भी मेले में भ्रमण कर बच्चों की तैयार की गई गणित प्रदर्शनी में भाग लिया।प्रदर्शनी में बच्चों ने मापन,पैटर्न,पहेली, संख्या-माला आदि से संबंधित विभिन्न गणितीय जटिलताओं को आसान तरीके से समझने के टीएलएम प्रस्तुत कि बीडीओ सह सीओ ने कहा कि सभी चीजें अच्छी थी।इसे जिले के सभी प्रखंडों में किया जाना चाहिए ताकि बच्चों के बौद्धिक विकास के साथ परिजनों को काफी कुछ सीखने को मिलेगा।कार्यक्रम पदाधिकारी सुकृति ने बताया कि एफएलएन के तहत आयोजित गणित मेला का उद्देश्य गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को गणित की जानकारी देना है। संस्था के शिवम ने बताया कि मेला में टीएलएम के माध्यम से बच्चों को आसान तरीके से जोड़,घटाव,गुना और भाग करने के तरीकों की प्रदर्शनी लगाई गई।मेला में सीएमएस पोखरिया और उर्दू यूएमएस के कक्षा 01 से 05 तक के बच्चों ने भाग लिया।मौके पर दोनों विद्यालयों के शिक्षक,अभिवावक और छात्र छात्रा मौजूद थे।

कृषकों से योजना के लाभ के लिए आवेदन भरने का आग्रह

साहिबगंज:प्रखंड सभागार में मंगलवार को रबी कर्मशाला सह कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया।गोष्ठी में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रगति शील कृषकों व कृषक मित्रों ने भाग लिया जिसमें गोष्ठी की अध्यक्षता सीओ सह बीडीओ बासुकी नाथ टुडू ने की जिला कृषि कार्यालय से आत्मा परियोजना के उप परियोजना निदेशक मंटू कुमार, एचडीएफसी ऐग्रो इंश्योरेंस कंपनी के जिला प्रतिनिधि अमित कुमार,प्रखंड समन्वयक सौरभ कुमार,प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजीव पांडेय,एटीएम नीरज कुमार एवं अंशु कुमारी,जिला उद्योग केंद्र की प्रखंड समन्वयक रश्मि कुमारी, गंगा प्रसाद पूरब पंचायत के मुखिया संतोष गौड़ आदि ने गोष्ठी में भाग लिया।कार्यशाला सत्र का उद्घाटन बीडीओ और आत्मा के परियोजना उपनिदेशक ने संयुक्त रूप से की।बीडीओ ने कृषकों के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजीव पांडेय ने किसान क्रेडिट कार्ड,पीएम किसान योजना के बारे में कृषकों को जानकारी दी।उन्होंने सभी कृषकों से निशुल्क फॉर्म लेकर योजना के लाभ के लिए आवेदन भरने का आग्रह किया।

सोनिया गांधी ने भारतीय राजनीति में सादगी समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति की मिसाल पेश की है : अध्यक्ष

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा:-प्रखंड कांग्रेस कार्यालय राजमहल रोड बसीर गैरेज बरहरवा में को कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का जन्मदिन समारोह जिला कांग्रेस अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकतुल्लाह खान की नेतृत्व में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम उपस्थित रहे और कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि तनवीर आलम द्वारा सोनिया गांधी के चित्र के समक्ष केक काटकर की गई।इसके बाद कांग्रेस कार्यकताओं ने एक-दूसरे को केक खिलाकर खुशी का इजहार किया । सोनिया गांधी के संघर्ष त्याग सादगी और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया।मुख्य अतिथि तनवीर आलम ने अपने संबोधन में कहा कि सोनिया गांधी ने भारतीय राजनीति में सादगी समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति की मिसाल पेश की है।उनका जीवन हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है।वहीं जिला कांग्रेस अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा कि सोनिया गांधी त्याग और सेवा की प्रतिमूर्ति हैं।उन्होंने हमेशा संविधान की मयार्दा,देश की एकता और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया है।उनका नेतृत्व सभी कांग्रेस कार्यकताओं के लिए प्रेरक रहा है।कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने सोनिया गांधी के लंबे सार्वजनिक जीवन एवं योगदान को सलाम करते हुए उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं।

जिले से 05 कुश्ती खिलाड़ी बलिया पहुंचे

खेलो इंडिया कुश्ती केंद्र के 03 और 02 खिलाड़ी आज से करेंगे राज्य का प्रतिनिधित्व

संवाददाता

साहिबगंज : स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 08 से 12 दिसंबर 2025 तक बलिया उत्तर प्रदेश में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय विद्यालय कुश्ती एस जी एफ आई प्रतियोगिता, अंडर 17 आयु वर्ग में भाग लेने के लिए जिले के चांद भैरव इनडोर स्टेडियम,साहिबगंज के संचालित खेलो इंडिया कुश्ती केंद्र के प्रशिक्षु ऋषि कुमार 48 किलो वर्ग, अंकुश कुमार 51 किलो वर्ग एवं सोनू कुमार 65 किलो वर्ग एवं कुणाल कुमार 71 किलो वर्ग राजू यादव 80 किलो वर्ग फ्री स्टाईल कुश्ती में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए रांची में आयोजित विशेष प्रशिक्षण शिविर के उपरांत बलिया पहुंचेपांचों कुश्ती खिलाड़ियों व खेलो इंडिया कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षक प्रकाश सिंह बादल को उपायुक्त हेमंत सती, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा,आई टी डी ए निदेशक संजय कुमार दास,अपर समाहर्ता गौतम भगत,जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा, जिला खेल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, जिला कुश्ती सचिव नमिता कुमारी, खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी समेत जिले के खेल प्रेमियों ने शुभ कामना दी।

अपर समाहर्ता ने किया ऑन द स्पॉट कई समस्याओं का समाधान

देवघर : जिले के अपर समाहर्ता हीरा कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित, अनुकम्पा, बिजली बिल माफी, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, फसल बीमा योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास से जुड़े मामलों को अपर समाहर्ता के समक्ष रखा। साथ ही अपर समाहर्ता द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।

इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात अपर समाहर्ता श्री कुमार ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके।

जनता दरबार में जिला प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग ओम प्रियदर्शी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

बासुकिनाथ मंदिर से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

संवाददाता

दुमका : समाहरणाला के सभागार कक्ष में मंगलवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में बासुकीनाथ मंदिर से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा और मंदिर परिसर के समग्र विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त श्री सिन्हा ने शिवगंगा की साफझसफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संबंधित विभाग को एक सप्ताह के भीतर कार्य योजना एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बासुकीनाथ आने वाले श्रद्धालुओं के लिए शिवगंगा आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहाँ वे स्नान करते हैं। ऐसे में शिवगंगा की नियमित एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। बैठक में बासुकीनाथ मंदिर के विभिन्न प्रस्ताव पर चर्चा की गयी एवं आवश्यक निदेश दिया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि मंदिर के आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था और बेहतर की जाए तथा सभी आवश्यक कदम तुरंत प्रभाव से उठाए जाएं।उन्होंने नियमित फोगिंग कराने को लेकर नगर पंचायत को निदेश दिया। नंदी चौक से मंदिर तक रंगीन लाइट लगाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई, जिसपर उपायुक्त ने विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

यह सरकार आदिवासी दलितों की सिर्फ बाते करती है : अनूप

अब तक हमलोगों की मांग को पूर्ण नहीं की गई

संवाददाता

साहिबगंज:झारखंड लोकल बॉडीज इम्प्लाइज फेडरेशन के आह्वाहन पर राज्य स्तरीय एक दिवसीय भूख हड़ताल का आयोजन फेडरेशन महामंत्री अनूप लाल हरि की अध्यक्षता में नगर परिषद परिसर में किया जिसमें नगर परिषद के सफाई समिति अध्यक्ष शिव हरि सहित सैकड़ो नगर परिषद कर्मी शामिल हुए।अनूप लाल हरि ने कहा कि ये सरकार आदिवासी दलितों की सिर्फ बाते करती है। नगर परिषद,नगर निगम में आदिवासी दलित कर्मी कार्य करते है, अहले सुबह उठकर शहर की साफ सफाई, कूड़ा कचरा का उठाव करती है। हमलोगों के साथ कई बार सरकार के साथ वार्ता हुई और मांग पूरा करने का आश्वासन दिया गया,लेकिन अब तक हमलोगों की मांग को पूर्ण नहीं की गई। सरकार आदिवासी दलितों का अनदेखी कर रही है।हमारी मांग है।कि सभी निकायों को पूर्व की भांति नगर विकास विभाग से 70 प्रतिशत वेतन मद में ऋण व अनुदा की राशि आवंटन निर्गत करे। वर्षों से दैनिक वेतन कर्मी की सेवा स्थाई की जाए,पेंशन भुगतान के लिए जिन निकाय में राशि का अभाव है। प्राथमिकता के आधार पर आवंटन निर्गत करे।दैनिक वेतन पर कार्य के दौरान मौत होने पर आश्रित को नियमित नियुक्ति होने तक दैनिक वेतन पर बहाल किया जाए।हमारी मांग जल्द पूर्ण नहीं हुई तो आगे उग्र आंदोलन किया जाएगा। मौके पर आयुष कुमार,सुनील कुमार, भोला पासवान,कमल यादव,राकेश पासवान,सोनू हरि,विक्की हरि,प्रभु हरि, मनोज सिन्हा,मो अकबर सहित सैकड़ो महिला पुरुष कर्मी उपस्थित थे।

करीना ने बच्चों की परवरिश को लेकर शेयर की पोस्ट, बोलीं-

'मैं नहीं चाहती मेरे बच्चे सिर्फ स्मार्ट हों'

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपनी तस्वीरें और फनी मीम्स भी साझा करती रहती हैं। साथ ही करीना अपने बच्चों को लेकर भी कुछ न कुछ पोस्ट करती रहती हैं। अब एक बार फिर करीना ने बच्चों से जुड़ी एक पोस्ट साझा करते हुए अपने फैंस को हैप्पी संडे बोला है। साथ ही उन्होंने बच्चों की परवरिश को लेकर एक नोट भी साझा किया है। करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें बच्चों की परवरिश को लेकर एक नोट है। करीना ने जो पोस्ट साझा की है, उसमें लिखा है, 'मैं नहीं चाहती कि मेरे बच्चे सिर्फ स्मार्ट हों। मैं चाहती हूं कि वे दयालु हों। उन लोगों से प्यार करें जो अलग हैं। अपनी आवाज का इस्तेमाल तब भी करें जब वे कांप रहे हों। विश्वास के साथ जिएं, तब भी जब दुनिया मजाक उड़ाए। क्योंकि ग्रेड कम हो जाते हैं, नौकरियां बदल जाती हैं, ट्रॉफियों पर धूल जम जाती है, लेकिन चरित्र? वह हमेशा के लिए है।' इसके के साथ ही करीना ने कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी संडे दोस्तों।'

गौरव खन्ना बने बिग बॉस विनर

जीती ट्रॉफ़ी और 50 लाख रुपए की इनामी राशि

उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर में जन्मे और टीवी की दुनिया के जाने-पहचाने एक्टर गौरव खन्ना ने दो वाइल्ड कार्ड एंट्री समेत कुल 17 प्रतियोगियों को हराते हुए बिग बॉस 19 की ट्रॉफ़ी अपने नाम की. गौरव खन्ना ने अपनी परिपक्वता, स्मार्ट गेम, अच्छी तरह से हर टास्क को अंजाम देने? की ख़ासियत, बाक़ी प्रतियिगियों के मुक़ाबले बरती गई शालीनता और फ़ैन्स के पॉपुलर वोटों के आधार पर बिग बॉस 19 का विजेता बनने में कामयाबी हासिल की. 105 दिनों तक चले इस रिएलिटी शो की शुरुआत से ही गौरव खन्ना को जीत का एक मज़बूत दावेदार माना जा रहा था. होस्ट सलमान ख़ान भी शो में कई दफ़ा उनके तौर-तरीकों की काफ़ी सराहना करते नज़र आए थे.

ऐसे में गौरव की लोकप्रियता दिन-ब-दिन बढ़ती ही चली गयी और अंत में उन्होंने शो जीत लिया.जीत के बाद गौरव खन्ना ने बीबीसी न्यूज़ हिंदी से कहा, 'बिग बॉस के घर में 15 लोगों को खुश करने में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं थी बल्कि मैं घर के बाहर 150 करोड़ लोगों से सीधे तौर पर जुड़ने के लिए इस घर में आया था. मैंने आत्मसम्मान और अपनी असली शख़्सियत के साथ गेम खेला. मैं दर्शकों का शुक्रगुज़ार हूं कि उन्होंने मेरी इस ख़ासियत को पहचाना और मुझे एक विजेता के रूप में चुना.

'धुरंधर' में रणवीर सिंह के साथ काम करने पर बोले शहजाद अली, लगा

मैं तूफान के साथ तालमेल बैठा रहा हूं'

फिल्मी दुनिया में जब किसी बड़े प्रोजेक्ट की चर्चा होती है, तो सिर्फ फिल्म से ही नहीं, उसके संगीत से भी उतनी ही उम्मीदें जुड़ जाती हैं। इन दिनों निर्देशक आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' को लेकर ऐसा ही माहौल बना हुआ है। इस फिल्म के गाने 'इश्क जलाकर' ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। इसमें गायक शहजाद अली और अभिनेता रणवीर सिंह की अनोखी केमिस्ट्री देखने और सुनने को मिलती है। शहजाद अली ने गाने में काम करने के अनुभव को साझा किया। 'इश्क जलाकर' को लेकर शहजाद ने कहा, '''धुरंधर' मेरे करियर का सबसे यादगार प्रोजेक्ट है। जब किसी कहानी में आग की तरह जोश और गहराई हो, तो संगीत बनाना एक सामान्य प्रक्रिया नहीं रह जाती, बल्कि व्यक्ति उस कहानी के भावों में पूरी तरह डूब जाता है। इस गाने में भी वही जुनून और वही जोश मौजूद है। शहजाद ने कहा, 'रणवीर सिंह के साथ काम करना इस प्रोजेक्ट की सबसे खास चीजों में से एक रहा। रणवीर ऐसे अभिनेता हैं जो हर सीन, हर इमोशन और हर संगीत को अपने अंदर उतार लेते हैं। वे गाने में शामिल नहीं होते, बल्कि उसे पूरी तरह जीते हैं।

उनकी ऊर्जा, उनकी शैली और उनका जोशीला अंदाज कलाकारों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर मजबूर कर देता है। उन्होंने कहा, ''रणवीर के साथ काम करते हुए ऐसा लगा मानो मैं एक तूफान या बिजली के झटके जैसी ऊर्जा के साथ तालमेल बैठा रहा हूं। यही वजह है कि मुझे 'इश्क जलाकर' गाने में भावनाओं का तूफान-सा महसूस होता है। शहजाद अली ने कहा, '''इश्क जलाकर' सिर्फ सुना जाने वाला ट्रैक नहीं है, बल्कि महसूस किया जाने वाला अनुभव है।

जीवन में हर समय हर चीज को पकड़कर रखना जरूरी नहीं होता : राधिका आप्टे

अभिनेत्री राधिका आप्टे हमेशा से अपने अलग अंदाज के लिए जानी जाती रही हैं। फिल्मों में अनोखे किरदार निभाने से लेकर निजी जीवन में अपने फैसलों पर कायम रहने तक, वह अक्सर ऐसी बातें कहती हैं जो उनके आत्मविश्वास और स्पष्टता को दर्शाती हैं। इस कड़ी में उन्होंने बातचीत के दौरान बताया कि वह करियर, शहर या मौके खोने जैसे दबावों को बहुत हल्के में लेती हैं। एक खास बातचीत में राधिका आप्टे ने बताया कि उन्हें किसी भी चीज के छूट जाने का डर बिल्कुल नहीं होता। उन्होंने कहा, ''मैं इस तरह का दबाव कभी नहीं लेती। अगर मैं मुंबई में नहीं हूं, तो मैं इस बात की चिंता बिल्कुल भी नहीं करुंगी कि मेरे हाथ से बड़े मौके निकल जाएंगे। फिलहाल मैं लंदन में रहती हूं और काम के लिए भारत आती हूं। कई लोगों का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री का केंद्र मुंबई होने के कारण, वहां स्थायी रूप से रहना जरूरी है, लेकिन यह सोच पूरी तरह से गलत है।''

राधिका ने कहा, ''अगर मुझे कोई काम पसंद आएगा या मैं उसे करना चाहूंगी, तो मैं खुद मुंबई आ जाऊंगी। और अगर कभी कोई प्रोजेक्ट छूट भी गया, तो भी यह मेरे लिए कोई बड़ी बात नहीं है। जीवन में हर समय हर चीज को पकड़कर रखना जरूरी नहीं होता। कभी कुछ मिलता है, कभी नहीं, और दोनों ही स्थितियों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''लंदन में रहने के बाद भी मेरे पास अच्छे प्रोजेक्ट्स के ऑफर्स हैं। इसलिए काम के पीछे भागने या लगातार उपलब्ध रहने का दबाव मैं खुद पर कभी नहीं लेती। उन्होंने कहा, ''किसी भी चीज के छूट जाने का डर मेरे जीवन में ही नहीं है। हम अक्सर सोचते हैं कि कोई बड़ा मौका चला जाएगा, तो जीवन पर असर पड़ेगा, लेकिन असल में ऐसा नहीं है। हम चीजों को जितना बड़ा समझते हैं, वे उतनी बड़ी होती नहीं। मानसिक शांति और जीवन के वास्तविक आनंद ही अहम हैं। राधिका आप्टे इन दिनों अपनी आने वाली थ्रिलर फिल्म 'साली मोहब्बत' को लेकर चर्चा में हैं।

फिल्म वा वाथियार की शूटिंग से एक रात पहले मैंने आत्मा देखी : कृति शेट्टी

अभिनेत्री कृति शेट्टी इन दिनों अपनी आने वाली तमिल फिल्म 'वा वाथियार' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में उनका किरदार एक स्पिरिट रीडर का है। इस बीच उन्होंने असल जिंदगी में कुछ ऐसा महसूस किया। कृति ने खुलासा किया कि शूटिंग शुरू होने से ठीक एक रात पहले उनके होटल के कमरे में उन्हें एक आत्मा दिखाई दी। इस घटना ने न सिर्फ उन्हें झकझोर दिया, बल्कि उनके किरदार के प्रति विश्वास भी मजबूत कर दिया। कृति ने कहा, 'मैं निर्देशक नलन कुमारस्वामी की इस फिल्म में एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हूं, जो आत्माओं से बात करती है और जो दूसरे लोगों की तुलना में भावनाओं और ऊर्जा को अधिक गहराई से महसूस करती है। सिनेमा में ऐसे किरदार आमतौर पर कम ही देखने को मिलते हैं, खासकर भारतीय फिल्मों में, इसलिए यह मेरे लिए एक नया और एक्साइटिंग अनुभव था। जब मैं इस किरदार की तैयारी कर रही थी, तब मुझे अंदाजा भी नहीं था कि वास्तविक जिंदगी में भी कुछ ऐसा घट सकता है। कृति ने कहा, ''मैं बचपन से ही मानती हूं कि आत्माएं होती हैं। मैं तुलु समुदाय से आती हूं, जहां पूर्वजों की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि हमारे पूर्वज हमेशा हमारे आसपास होते हैं और हमारा मार्गदर्शन करते हैं। मैं आत्माओं की अवधारणा से कुछ हद तक परिचित हूं, लेकिन शूटिंग से पहले का अनुभव मेरे लिए बेहद विचलित कर देने वाला था। उन्होंने बताया, ''शूटिंग के लिए मैं और टीम एक होटल में रुके हुए थे, उसी रात मुझे किसी आकृति का एहसास हुआ। मैंने पूरा चेहरा नहीं देखा, लेकिन एक साफ-साफ छाया जैसी आकृति मैंने महसूस की थी।

उसी पल जब मैंने लाइट ऑन की, तो अचानक तेज आवाज हुई। उस समय मेरी मां भी साथ थीं। हम दोनों ने महसूस किया कि यह कोई सामान्य घटना नहीं थी। यह अनुभव इतना वास्तविक था कि इसे भ्रम या कल्पना माना ही नहीं जा सकता। कृति ने कहा, ''इस फिल्म में स्पिरिट रीडर का किरदार निभाते समय मुझे खुद भी लगता था कि शायद दर्शकों को ऐसी बातें अविश्वसनीय लगेंगी। लेकिन जैसे ही ये घटना घटी, मुझे लगा जैसे कोई मेरे इस किरदार में पूरी तरह ढलने के लिए संकेत दे रहा हो।'' फिल्म 'वा वाथियार' में कृति के साथ अभिनेता कार्थी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जो एक पुलिस अधिकारी के किरदार में हैं।

'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के गाने में कार्तिक आर्यन ने श्रुति पाठक से की खास डिमांड, सिंगर ने खोला राज

बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों का दौर एक बार फिर लौटता दिख रहा है। इसी माहौल को फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का नया गाना 'हम दोनों' और खास बनाने आ रहा है। इस गाने को प्लेबैक सिंगर श्रुति पाठक ने गाया है। उन्होंने गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान अभिनेता कार्तिक आर्यन से हुई छोटी-सी मुलाकात को याद किया। श्रुति पाठक ने कहा, ''हम दोनों' एक ऐसा गाना है जो ताजगी से भरा है और युवाओं के दिल के करीब रहेगा। यह गाना कपल्स के लिए एकदम सही है। गाने की धुन और अंदाज दोनों मिलकर इसे खास बनाते हैं। इसकी सरलता और मॉडर्न टच इसे लंबे समय तक यादगार बनाएगी।' गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान कार्तिक आर्यन से मुलाकात के किस्से को साझा करते हुए श्रुति ने बताया कि कार्तिक रिकॉर्डिंग में काफी दिलचस्पी ले रहे थे और गीत को लेकर बेहद उत्साहित थे। उन्होंने कहा, ''कार्तिक और अनन्या पांडे दोनों ही गाने और टीजर में शानदार लग रहे हैं। यह फिल्म और इसका संगीत बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों का एक नया दौर शुरू कर सकता है। श्रुति पाठक ने बताया कि कार्तिक ने उनसे अकॉस्टिक वर्जन की भी डिमांड की थी, इससे उनकी म्यूजिक में रुचि का अंदाजा लगता है। श्रुति पाठक ने गीतकार अनविता दत्त की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''अनविता ने इस गीत के बोल बेहद खूबसूरती से लिखे हैं। वह एक प्रतिभाशाली लेखिका और निर्देशक हैं। मैं उनके काम की हमेशा से प्रशंसक रही हूं। मुझे खुशी है कि आखिरकार मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने इस गाने की भावनाओं और कहानी को सटीक तरीके से शब्दों में पिरोया है। 'हम दोनों' में संगीत विशाल-शेखर की जोड़ी ने दिया है। श्रुति ने कहा, 'ये जोड़ी बॉलीवुड में कूल और ट्रेंडी संगीत का चेहरा है और हर बार कलाकारों से बेहतरीन काम निकलवाते हैं। मैंने पहले इनके साथ 'तुझे भुला दिया' और 'आस पास खुदा' जैसे बड़े गानों में काम किया है। 'हम दोनों' के जरिए फिर से उनके साथ काम करने का एक खास अनुभव रहा। '

मेजर लीग सॉकर : लगातार दूसरी बार मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर बने लियोनेल मेसी

एजेंसी

मियामी : अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने लगातार दूसरी बार मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) का ह्यमोस्ट वैल्यूएबल प्लेयरह्ण (एमवीपी) अवॉर्ड जीत लिया है। इंटर मियामी को एमएलएस खिताब दिलाने और लीग में सबसे ज्यादा गोल करने के शानदार प्रदर्शन के चलते मेसी को मंगलवार को यह सम्मान दिया गया। 38 वर्षीय मेसी लगातार दो बार एमएलएस एमवीपी बनने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इसके साथ ही वह एमएलएस इतिहास में दो बार एमवीपी जीतने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले यह उपलब्धि केवल प्रेकी ने हासिल की थी, जिन्होंने 1997 और 2003 में यह पुरस्कार जीता था। मेसी ने इस सीजन के नियमित मुकाबलों में 29 गोल दागे और 19 गोल असिस्ट कर एमएलएस गोल्डन बूट अपने नाम किया। वह नियमित सत्र में गोल और असिस्ट दोनों में लीग का नेतृत्व करने वाले भी केवल दूसरे खिलाड़ी बने। इससे पहले यह कारनामा 2015 में टोरंटो एफसी के सेबास्टियन जियोविन्को ने किया था। अक्टूबर में इंटर मियामी के साथ तीन साल का अनुबंध विस्तार करने वाले मेसी ने एमएलएस प्लेऑफ में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने प्लेऑफ में 6 गोल किए और 9 असिस्ट दिए। पिछले सप्ताहांत खेले गए फाइनल में इंटर मियामी ने वैंकूवर को 3-1 से हराकर अपना पहला एमएलएस कप खिताब जीता। इस मुकाबले में मेसी ने दो महत्वपूर्ण असिस्ट किए और उन्हें एमएलएस कप एमवीपी भी चुना गया।

यह पुरस्कार मेसी के पहले से भरे-पूरे ट्रॉफी कैबिनेट में एक और उपलब्धि जोड़ता है। उनके नाम रिकॉर्ड आठ बैलन डीह्यऑर, तीन फीफा मेन्स बेस्ट प्लेयर अवॉर्ड, दो फीफा वर्ल्ड कप गोल्डन बॉल, तीन यूएफा मेन्स प्लेयर ऑफ द ईयर, छह यूरोपियन गोल्डन शू, छह ला लीगा बेस्ट प्लेयर अवॉर्ड और 15 बार अर्जेंटीना फुटबॉलर ऑफ द ईयर जैसे सम्मान दर्ज हैं।

एडिलेड टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में पैट कमिंस की वापसी

एजेंसी

एडिलेड : ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की तीसरे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी हो गई है। यह टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें कमिंस की वापसी ही एकमात्र नया बदलाव है। पैट कमिंस ने पीठ के निचले हिस्से (लंबर बैक स्ट्रेस) में चोट के कारण एशेज सीरीज के शुरूआती दो टेस्ट नहीं खेले थे। उन्होंने आखिरी बार जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ सबीना पार्क में खेले गए तीसरे टेस्ट में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था।

कमिंस पिछले हफ्ते गाबा टेस्ट के लिए चयन के काफी करीब थे, क्योंकि उनकी रिकवरी उम्मीद से तेज रही थी। हालांकि, टीम प्रबंधन ने उन्हें पूरी तरह तैयार करने के लिए मैच सिमुलेशन के तहत कई स्पेल्स गेंदबाजी करवाने का निर्णय लिया।

मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा,ह्लवह हमारी उम्मीद से काफी आगे थे और ब्रिस्बेन टेस्ट के लिए उनके चयन पर गंभीर चर्चा हुई थी। अब हम मानते हैं कि एडिलेड की चुनौती के लिए वह पूरी तरह तैयार होंगे। नेट्स में किए गए सिमुलेशन से उनकी स्किल्स भी तैयार हैं और उनका शरीर खेलने के लिए फिट है। अगर अगले एक हफ्ते में कुछ अप्रत्याशित नहीं होता, तो मुझे उम्मीद है कि पैट कप्तान के तौर पर टॉस करते और ब्लेजर पहनते दिखेंगे। इस बीच, बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने भी टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। वह पर्थ टेस्ट में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे थे और पीठ में चोट के कारण गाबा टेस्ट नहीं खेल पाए थे। मैकडॉनल्ड ने बताया कि ख्वाजा ने ब्रिस्बेन में नेट्स में अच्छी बल्लेबाजी की और उनके अगले हफ्ते तक पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा,ह्लउजी (ख्वाजा) फिट और उपलब्ध होने चाहिए। सामान्य तौर पर वह सलामी बल्लेबाज के रूप में ही खेलते हैं, लेकिन उनमें क्रम में बदलाव की क्षमता भी है। हम मानते हैं कि हमारे सभी बल्लेबाज किसी भी स्थान पर खेलने की काबिलियत रखते हैं। नाथन लियोन की भी एडिलेड टेस्ट में वापसी की संभावना है, जिससे चयन को लेकर टीम मैनेजमेंट के सामने मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। ऐसे में स्कॉट बोलैंड, माइकल नेसर और ब्रेंडन डोगेट में से दो खिलाड़ियों को अंतिम एकादश से बाहर बैठना पड़ सकता है। वहीं ख्वाजा की उपलब्धता से बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी कुछ फैसले लेने होंगे। मैकडॉनल्ड ने आगे कहा, ह्लपर्थ और ब्रिस्बेन टेस्ट के बीच और फिर ब्रिस्बेन से एडिलेड के बीच का अंतराल ऐसा था जिसे हम संभाल सकते थे। इसलिए एडिलेड के लिए सबसे संतुलित और उपलब्ध गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरने की योजना है। किसी खिलाड़ी को आराम देने का विचार फिलहाल नहीं है, यह फैसला शायद चौथे और पांचवें टेस्ट (मेलबर्न और सिडनी) के लिए लिया जा सकता है। दो टेस्ट जीतकर ऑस्ट्रेलिया एशेज सीरीज में 2-0 से आगे है। तीन टेस्ट अभी बाकी हैं और टीम अगले हफ्ते एडिलेड ओवल में एशेज बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

तीसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम:

पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डोगेट, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, ब्यू वेब्स्टर।

श्री काशी विश्वनाथ धाम लोकार्पण के चौथे वर्षगांठ पर होंगे विविध धार्मिक अनुष्ठान,फूलों से सज रहा दरबार

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी)में स्थित श्री काशी विश्वनाथ धाम लोकार्पण के चौथे वर्षगांठ की तैयारियां शुरू हो गई है। श्री काशी विश्वनाथ विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद् (काशी विश्वनाथ धाम) में विविध धार्मिक अनुष्ठान के साथ पूरे धाम की फूलों से भव्य सजावट होगी। चौथी वर्षगांठ पर धाम में 13 और 14 दिसंबर को भव्य उत्सव आयोजित किए जाएंगे। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र के अनुसार पूरे धाम परिसर को 12 दिसंबर से 15 दिसंबर तक विविध प्रकार के फूलों से आकर्षक रूप से सजाया जाएगा। आम श्रद्धालु भी इन चार दिनों में धाम की भव्यता और दिव्यता का विशेष दर्शन कर सकेंगे। उत्सव में 14 दिसंबर को धाम में वृहद् शास्त्रीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें जाने–माने कलाकार मंदिर चौक के मंच पर अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बाबा के चरणों में हाजिरी लगाएंगे। बताते चले 13 दिसंबर को धाम के उद्घाटन (2021) के चार वर्ष पूरे हो रहे हैं, जबकि हिंदू पंचांग के अनुसार यह तिथि मार्गशीर्ष माह की दशमी, इस वर्ष 14 दिसंबर को पड़ रही है। दोनों ही दिनों में विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वहीं, बाबा के इस खास उत्सव में शिव बारात समिति और संस्कृति विभाग की पहल पर तीन किमी लम्बी भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

मंदिर न्यास के अनुसार धाम के लोकार्पण के बाद चार सालों में अब तक कुल 26 करोड़ से अधिक श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। प्रयागराज महाकुंभ 2025 की अवधि में मात्र डेढ़ माह में 2 करोड़ 87 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इतनी बड़ी संख्या में धाम में श्रद्धालुओं का आना और निर्बाध दर्शन पूजन बड़ी उपलब्धि रही। धाम में बीते चार वर्षों में कई नवाचार किए गए, इनमें सांसद संस्कृति प्रतियोगिता का आयोजन भी है। संस्कृत विद्यालयों के बच्चों को भोजन, वस्त्र एवं पुस्तकें प्रदान करना,मथुरा, रामेश्वरम, अयोध्या सहित देश के बड़े मंदिरों से गहरा सांस्कृतिक और पारस्परिक संबंध स्थापित करना,सनातन संस्कृति की एकता को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास, श्रद्धालुओं विशेषकर वृद्धजनों, महिलाओं और बच्चों के लिए उन्नत सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। काशीवासियों के लिए अलग प्रवेश द्वार की व्यवस्था की गई है।

गुवाहाटी के सोहम इंपोरिया में भीषण आग, छह मंजिलें जलकर खाक

एजेंसी

गुवाहाटी : शहर के एबीसी इलाका स्थित व्यावसायिक भवन सोहम इंपोरिया में देर रात भीषण आग लगने से अफरातफरी मच गई। रात करीब 12 बजे के आसपास आग लगने का अनुमान है जिसमें इमारत की छह मंजिलें जलकर खाक हो गईं। आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। इसमें लाखों रुपये के सामान जल जाने की जानकारी मिली है।

इमारत में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की कई शाखाएं संचालित होती थीं। आग में एसबीआई के करोड़ों रुपये मूल्य के दस्तावेज और जरूरी सामग्रियां नष्ट हो गई। घटनास्थल पर लगभग 15 दमकल वाहनों को लगाया गया और करीब छह घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग के कारणों और क्षति का विस्तृत आकलन किया जा रहा है।

वसई की विधायक के 'कार्य रिपोर्ट 2024-25' का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

वसई के सर्वांगीण विकास के लिए काम करने की मेरी प्रतिबद्धता कायम रहेगी : स्नेहा दुबे पंडित

एजेंसी

मुंबई : वसई विधानसभा क्षेत्र की विधायक के रूप में स्नेहा दुबे-पंडित के शपथ लेने की पहली वर्षगांठ पूरी होने के अवसर पर पिछले एक वर्ष में वसई निर्वाचन क्षेत्र के विकास और प्रगति के लिए किए गए कार्यों की जानकारी देने वाली 'कार्य रिपोर्ट 2024-25' का नागपुर में प्रकाशन किया गया। यह कार्य रिपोर्ट मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों प्रकाशित की गई। साथ ही महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को भी यह रिपोर्ट सौंपी गई। इस कार्य रिपोर्ट में बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, सार्वजनिक सेवाएं, सुरक्षा और नागरिकों के साथ निरंतर संवाद जैसे क्षेत्रों में की गई महत्वपूर्ण पहलों को शामिल किया गया है। पिछले एक वर्ष में किए गए कार्यों का पारदर्शी रिकॉर्ड इस रिपोर्ट के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे-पंडित ने वसई के नागरिकों के साथ-साथ सभी सरकारी तंत्रों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वसई के सर्वांगीण विकास के लिए पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी ढंग से काम करने की मेरी प्रतिबद्धता कायम रहेगी। वसई की समावेशी प्रगति के लिए यह रिपोर्ट एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

नेपाल: बयान के लिए उपस्थित नहीं होने पर पूर्व प्रधानमंत्री ओली और पूर्व गृहमंत्री लेखक की गिरफ्तारी की तैयारी

एजेंसी

काठमांडू : जेन जी आंदोलन के दौरान हुए अत्यधिक पुलिस बल प्रयोग की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग तत्कालीन प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृहमन्त्री रमेश लेखक के बयान के लिए उपस्थित न होने की स्थिति देखते हुए उन्हें गिरफ्तार कर पेश कराने की तैयारी में है। इस आयोग की अवधि केवल दो सप्ताह शेष रहते हुए आयोग की तरफ से अब तक बयान का काम पूरा नहीं हो पाया है। फील्ड में तैनात सुरक्षा कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बयान लेने के बाद अब आयोग राजनीतिक स्तर के बयान लेने की प्रक्रिया में है। आयोग के प्रवक्ता विज्ञानराज शर्मा के अनुसार लगभग डेढ़ सौ लोगों से बयान लेने का काम पूरा हो चुका है। अब पूर्व प्रधानमन्त्री ओली, पूर्व गृहमन्त्री लेखक, तत्कालीन गृह सचिव गोकर्णमणि दुवाडी, तत्कालीन प्रधानसेनापति अशोकराज सिग्देल और नेपाल पुलिस प्रमुख आईजीपी दानबहादुर कार्की का बयान लेना बाकी है।

आयोग की सिफारिश के आधार पर पूर्व प्रधानमंत्री ओली और पूर्व गृहमंत्री लेखक की विदेश यात्रा और बिना अनुमति काठमांडू से बाहर जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। ओली की तरफ से आयोग को असंवैधानिक बताते हुए बयान न देने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। प्रवक्ता शर्मा का कहना है कि बयान लेने में किसी प्रकार की शंका नहीं होनी चाहिए। यदि नहीं आए, तो कानूनी प्रक्रिया शुरू होगी। आयोग सरकार को कानूनी रूप से उन्हें पेश कराने का अनुरोध करेगा। गृहमन्त्री ओमप्रकाश अर्याल ने स्पष्ट किया है कि यदि आयोग लिखित अनुरोध करता है तो सरकार पुलिस भेज कर उन्हें उपस्थित कराएगी। गृहमंत्री ने कहा ₹कानून सबके लिए समान है। उम्मीद है कि वे मानेंगे; न मानने पर कानून लागू किया जाएगा। जांच आयोग के प्रवक्ता शर्मा के अनुसार बयान लेना अनिवार्य होने के कारण ही उनकी विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रक्रियागत रूप से जल्द से जल्द बयान लेने का निर्णय आयोग कर चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रमुख सचिव, संसद महासचिव और सुरक्षा निकायों के प्रमुख तक आयोग में आकर बयान दे चुके हैं। इधर, एमाले उपमहासचिव प्रदीप ज्ञवाली ने कहा कि ॡआयोग स्वयं अमान्य है इसलिए पूर्व प्रधानमन्त्री ओली के बयान के लिए उसके समक्ष जाने का प्रश्न ही नहीं उठता। हम पहले ही इसकी निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न उठा चुके हैं और इसे अस्वीकार्य घोषित किया है। आयोग ने मंगलवार को सशस्त्र प्रहरी महानिरीक्षक राजु अर्याल का बयान लिया। उन्हें आवश्यकता होने पर फिर बुलाया जाएगा। इससे पहले पूर्व पुलिस प्रमुख चन्द्रकुबेर खापुंग को भी पुनः बुलाए जाने की संभावना आयोग ने जताई थी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मानवाधिकार दिवस पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएँ

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मानवाधिकार दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि बिहार सरकार न्याय के साथ विकास के मूल सिद्धांत पर आगे बढ़ते हुए समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास और उत्थान हेतु पूरी तरह संकल्पित है। उन्होंने कहा कि सरकार का सर्वोपरि उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के अधिकारों की सुरक्षा करना तथा उन्हें सभी आवश्यक और मूलभूत सुविधाएँ सुनिश्चित रूप से उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि मानवाधिकारों की रक्षा तभी संभव है जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि इस अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि मिलकर एक ऐसे स्वस्थ, समावेशी और सुदृढ़ समाज का निर्माण करेंगे, जहाँ प्रत्येक नागरिक गौरवपूर्ण एवं सम्मानजनक जीवन जी सके।

कोलकाता में न्यूनतम तापमान मैं बढ़ोतरी के बावजूद ठंड बरकरार

कोलकाता : कोलकाता में ठंड बढ़ गई है। मौसम विभाग ने बताया है कि बुधवार की सुबह न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मंगलवार को जहां न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस था, वहीं बुधवार को यह बढ़कर 15.8 डिग्री सेल्सियस हो गया। यह सामान्य से 0.8 डिग्री कम है। दिसंबर की शुरूआत के साथ ही राज्य में पिकनिक सीजन भी शुरू हो गया है। सुबह की हल्की धूप और शाम की ठंडक के बीच लोग सर्दियों का आनंद उठा रहे हैं। हालांकि मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल सर्दी कम होने की कोई आशंका नहीं है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले 18 दिसंबर तक ठंड का असर कायम रहेगा और उत्तरी हवाओं के प्रवेश में कोई बाधा नहीं है। यानी सर्दी की राह में कोई ॠस्पीड ब्रेकरॡ नहीं दिख रहा। पूवार्नुमान के अनुसार, गुरुवार को तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। दक्षिण बंगाल के अधिकांश जिलों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है, जबकि दिन चढ़ने के साथ दृश्यता में सुधार होगा। तापमान में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है और शीतलता का असर बरकरार रहेगा। मंगलवार को कोलकाता का अधिकतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.6 डिग्री कम था। हवा में आर्द्रता का स्तर अधिकतम 91 प्रतिशत और न्यूनतम 51 प्रतिशत रहा। उत्तर बंगाल के जिलों में भी सर्दी का असर स्पष्ट रूप से महसूस किया जा रहा है। मंगलवार को दार्जिलिंग में न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस समय बड़ी संख्या में पर्यटक पहाड़ों की ठंडक और कंचनजंघा की अद्भुत सुंदरता का आनंद ले रहे हैं। फिलहाल वहां का मौसम साफ रहने का अनुमान है। हालांकि सुबह के समय हल्का कोहरा छाया रहेगा, लेकिन दिन चढ़ने के साथ दृश्यता में सुधार होता जाएगा।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 168 अंक उछला

नई दिल्ली : हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। लगातार दो दिनों की गिरावट के बाद आज शुरूआती कारोबार में बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक?स और निफ्टी में तेजी देखने को मिल रही है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 168.16 अंक यानी 0.20 फीसदी की उछाल के साथ 84,834.44 के स?तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स?टॉक एक?सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 49.90 अंक यानी 0.19 फीसदी बढ़कर 25,889.55 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। सेंसेक्स के 30 में से 23 शेयर में तेजी और 7 में गिरावट देखने को मिल रही है। ट्रेंट, टाटा स्टील और बजाज फिनसर्व के शेयरों में एक फीसदी तक की तेजी है। वहीं, भारतीय मुद्रा रुपया अपने शुरूआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.07 पर पहुंच गया है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 9:21 तक 135.57 अंक या 0.16 प्रतिशत बढ़कर 84,801.85 अंक पर आ गया। वहीं, 50 शयरों वाला निफ्टी 22.75 अंक या 0.09 प्रतिशत चढ़कर 25,862.40 अंक पर आ गया। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले मंगलवार को बीएसई का सेंसेक्स 436.41 अंक यानी 0.51 फीसदी लुढककर 84,666.28 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी भी 120.90 अंक यानी 0.47 फीसदी टूटकर 25,839.65 अंक पर बंद हुआ था।

भारत–अमेरिका व्यापार वार्ता के लिए यूएस डेलीगेशन का भारत दौरा आज से

भारत-अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर आज से शुरू करेंगे बातचीत

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर एक बार फिर बातचीत का नया दौर बुधवार से शुरू होगा। टैरिफ मुद्दों पर बातचीत करने के लिए अमेरिकी डेलीगेशन नई दिल्ली के दो दिवसीय दौरे पर आज पहुंचने वाला है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अमेरिका के ट्रेड पर नवनियुक्त डिप्टी ट्रेड प्रतिनिधि एंबेसडर रिक स्विट्जर का दो दिवसीय भारत दौरा आज से शुरू हो रहा है। यह डेलिगेशन इस दौरान भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेगा।

भारत-अमेरिका के बीच प्रस?तावित इस समझौते के लिए अमेरिका के मुख?य वातार्कार साउथ और सेंट्रल एशिया के लिए असिस्टेंट यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ब्रेंडन लिंच हैं, जो भारत के मुख?य वातार्कार और वाणिज?य विभाग में संयुक्त सचिव दर्पण जैन के साथ चर्चा करेंगे। अमेरिकी उप व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) रिक स्विटजर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली में 10 और 11 तारीख को ट्रेड से जुड़े सभी मुद्दों पर बातचीत करेगा। दोनों देशा के बीच इस समझौते का लक्ष्य साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 191 अरब अमेरिकी डॉलर से दोगुना करके 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका वित?त वर्ष 2024-25 में लगातार चौथे वर्ष भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हआ है।

न्यूज IN ब्रीफ

ईओडब्ल्यू ने लाखों रुपये के जमीन घोटाले में शामिल चार आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की

श्रीनगर : जमीन की धोखाधड़ी के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए क्राइम ब्रांच कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने लाखों रुपये के जमीन घोटाले में शामिल चार आरोपियों के खिलाफ श्रीनगर के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में एक पूरी चार्जशीट दायर की है। एक बयान में क्राइम ब्रांच कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक बड़े जमीन धोखाधड़ी मामले में शामिल चार आरोपियों के खिलाफ श्रीनगर के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में आईपीएस की धारा 420, 467, 468, 471, 201, और 120–बी के तहत एफआईआर नंबर 18/2025 में चार्जशीट दायर की है। बयान में कहा गया है कि यह चार्जशीट शब्बीर अहमद गनी, बशीर अहमद गनी, जावीद अहमद हकाक (तब पथवारी) और एक मृतक पथवारी के खिलाफ दायर की गई है जिन पर बेगुनाह खरीदारों को धोखा देने के लिए नकली जमीन के डॉक्यूमेंट तैयार करने और उनका इस्तेमाल करने का आरोप है। यह मामला कई पीड़ितों की मिली–जुली शिकायत से शुरू हुआ जिन्होंने ब्रोकर के जरिए 8 कनाल जमीन खरीदी थी। इसमें से 4 कनाल जमीन एक शिकायतकर्ता के नाम खसरा नंबर 92 के तहत, 2 कनाल जमीन दूसरे के नाम खसरा नंबर 99 के तहत और बाकी 2 कनाल जमीन तीसरे शिकायतकर्ता के पिता के नाम पर ट्रांसफर दिखाई गई थी। ट्रांसफर के बावजूद कोई भी सही डॉक्यूमेंट नहीं दिए गए। बाद में वेरिफिकेशन से पता चला कि ब्रोकर द्वारा शेयर किए गए म्यूटेशन नंबर जाली और मनगढ़ंत थे। बयान में कहा गया है कि पुलिस स्टेशन ईओडब्ल्यू श्रीनगर में जांच के दौरान यह सामने आया कि आरोपियों ने अपराधी साजिश में काम करते हुए नकली जमीन के डॉक्यूमेंट तैयार किए थे और शिकायतकताओं को यह विश्वास दिलाकर गुमराह किया था कि ट्रांजैक्शन असली हैं। ऐसा करके उन्होंने 25 लाख रुपये निकाले जिससे पीड़ितों को काफी फाइनेंशियल नुकसान हुआ। जांच में धोखाधड़ी, जालसाजी, सबूत नष्ट करने और अपराधी साजिश के शुरूआती सबूत मिले। इसके बाद चार्जशीट को न्यायिक फैसले के लिए कोर्ट में पेश किया गया है। बयान में कहा गया है कि ईओडब्ल्यू नागरिकों को आर्थिक अपराधों से बचाने और प्रोफेशनल और पूरी जांच के जरिए न्याय पक्का करने के अपने वादे को दोहराता है।

पश्चिम रेलवे ने टिकट जांच अभियानों से प्राप?त किया लगभग 140 करोड़ रुपये का जुमार्ना

मुंबई : पश्चिम रेलवे बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए टिकट जांच अभियान निरंतर चला रही है। इसी कड़ी में अप्रैल से नवम्बर, 2025 की अवधि में, 21.70 लाख से अधिक बिना टिकट व अनियमित यात्रियों का पता लगाया गया, जिसमें बिना बुक किए गए सामान के मामले भी शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप लगभग 140 करोड़ रुपये की वसूली हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 50% अधिक है। नवम्बर, 2025 के दौरान ही 2.80 लाख से अधिक बिना टिकट व अनियमित यात्रा के मामलों का पता लगाकर 18.25 करोड़ रुपये की राशि वसूली गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 40% से अधिक की वृद्धि को दशार्ती है।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, पश्चिम रेलवे द्वारा एसी उपनगरीय लोकल ट्रेनों में भी केंद्रित जांच अभियान चलाए गए। इसमें औचक जांच में अप्रैल से नवम्बर, 2025 के दौरान एसी लोकल सेवाओं में लगभग 75 हजार दंडात्मक मामलों का पता लगाकर 2.40 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 85% वृद्धि को दशार्ती है। श्री विनीत ने बताया कि एक टिकट जांच स्टाफ सदस्य अशुतोष कुमार सिंह, जो मुख्यालय, चर्चगेट स्थित फ्लाइंग स्क्वाड में उप मुख्य टिकट निरीक्षक के रूप में कार्यरत हैं। नियमों एवं प्रक्रियाओं की उत्कृष्ट जानकारी के साथ उन्होंने पिछले 18 वर्षों में लगातार उत्साह और समर्पण के साथ कार्य किया है। जनवरी, 2025 से नवम्बर, 2025 तक मात्र 11 महीनों में उन्होंने 9200 से अधिक मामलों का पता लगाकर लगभग 1.08 करोड़ रुपये की अब तक की सर्वाधिक वसूली की है। उनका दैनिक औसत संग्रह लगभग 40,000 रुपये है और प्रतिदिन औसतन 34 मामलों का पता लगाने का लक्ष्य है। विशेष रूप से, 18 अक्टूबर, 2025 को उन्होंने एक ही दिन में 150 से अधिक मामलों का पता लगाकर 2.24 लाख रुपये की सर्वोच्च एकदिवसीय वसूली की।

विधायक नाईक के विकास कार्यों पर आधारित कैलेंडर का सीएम फडणवीस ने किया विमोचन

मुंबई : नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजन नाईक द्वारा वर्ष भर किए गए विकास कार्यों और विभिन्न विकास परियोजनाओं पर आधारित वर्ष 2026 के कैलेंडर (दिनदर्शिका) का नागपुर में विधान भवन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों विमोचन किया गया। इस कैलेंडर में क्यूआर कोड के माध्यम से विधायक राजन नाईक द्वारा नालासोपारा निर्वाचन क्षेत्र में हल किए गए मुद्दों के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और राज्य में महायुति सरकार के माध्यम से किए गए विकास कार्यों की जानकारी इस कैलेंडर के जरिए नालासोपारा निर्वाचन क्षेत्र के घर–घर तक पहुंचेगी।नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक के रूप में जीत हासिल करने के बाद, राजन नाईक ने एक वर्ष में विभिन्न क्षेत्रों में काम करने के साथ–साथ कई लंबित मुद्दों को भी सुलझाया है। उन्होंने विधानसभा में 58 तारांकित प्रश्न और चर्चाएं, 15 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, आधा घंटे की चर्चा में 10 बार भागीदारी और औचित्य के दो मुद्दे उठाए। उनके माध्यम से कई वर्षों से लंबित अचोले में अस्पताल के लिए नि:शुल्क जगह, रेलवे ट्रैक पर चार फ्लाईओवर, एमएमआरडीए से रेलवे फ्लाईओवर के लिए 800 करोड़ रुपये की निधि की सहमति, जिला परिषद के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों को महानगर पालिका में स्थानांतरित करने की मंजूरी सहित वसई तालुका को कई प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। इसके साथ ही, विभिन्न विभागों के माध्यम से कई विकास कार्यों को मंजूरी दिलाई गई है। इन सभी कार्यों का विस्तृत ब्यौरा इस कैलेंडर में प्रस्तुत किया गया है।

सूरत की राज टेक्सटाइल मार्केट में भीषण आग, मौके पर फायर ब्रिगेड की 22 से अधिक गाड़ियाँ

सूरत : सूरत के पांडेसरा–पर्वत पाटिया क्षेत्र स्थित राज टेक्सटाइल मार्केट में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। आग की लपटें मार्केट की सातवीं और आठवीं मंज़िल तक फैल गईं। मौके पर पिछले दो घंटे से व्यापक स्तर पर आग बुझाने की कोशिशें जारी हैं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस का बड़ा दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा। फायर ब्रिगेड की 22 से अधिक गाड़ियाँ लगातार पानी का छिड़काव कर रही हैं। दो घंटे से अधिक समय से आग पर नियंत्रण पाने की कोशिशें जारी हैं। घटना में जनहानि की कोई सूचना नहीं है। पूरे इलाके की बैरिकेडिंग कर भीड़ और यातायात को नियंत्रित कर दिया गया है। स्थानीय नागरिकों से पुलिस और फायर ब्रिगेड को सहयोग करने की अपील की गई है। फायर अधिकारी ईश्वर पटेल के अनुसार, शुरूआती जांच में वायरिंग में आई खराबी के कारण आग फैलने की आशंका है।हालांकि आग लगने के कारणों की जांच की जाएगी।

मणिपुर: सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, हथियार बरामद, कई गिरफ्तार

इम्फाल : सुरक्षा बलों ने मणिपुर में बीते 24 घंटे में चलाए गए अभियानों के दौरान कई उग्रवादियों को गिरफ्तार किया तथा हथियार एवं विस्फोटक बरामद किए। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि राज्य के चुड़ाचांदपुर थाना क्षेत्र के हेंगकापकोट गांव के जंगलों में चलाए गए अभियान के दौरान हथियारों और विस्फोटकों का एक जखीरा बरामद किया। बरामद सामग्री में एक इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार (विस्फोटक इनीशिएशन सिस्टम सहित), दो हाई–एक्सप्लोसिव बम, एक स्मोक ग्रेनेड और विभिन्न हथियारों के 27 खाली केस शामिल हैं। एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने मोरेह के सनराइज ग्राउंड के निकट से केवाईकेएल (ओ) कैडर अहंथम पुनिकांता सिंह उर्फ दीपक (43), निवासी फुमलौ मनिंग लाइकाई, इम्फाल वेस्ट को गिरफ्तार किया। माना जा रहा है कि उसकी गिरफ्तारी से उग्रवादी गतिविधियों की जांच में महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी। इधर, लंघोल लाइमानाई क्षेत्र (लम्फेल–थाना, इम्फाल वेस्ट) में सुरक्षा कर्मियों ने केसीपी (पीडब्ल्यूजी) से जुड़े उगाही करने वाले कैडर अखम रोमेश सिंह उर्फ थोइसना (30), निवासी तौपोकपी मायाई लाइकाई, जिला विष्णुपुर, को दबोचा। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और आधारकार्ड बरामद किया गया।

केंदुआडीह गैस रिसाव: बीसीसीएल सीएमडी ने राहत कैंप में लोगों से की मुलाकात

कहा- कोल इंडिया चेयरमैन करेंगे दौरा

संवाददाता

धनबाद : केंदुआडीह में हुई जहरीली गैस रिसाव का कारण माइनिंग के बाद शेष बचे हुए कोयले हैं। माइनिंग के दौरान जो गैलरी बच गई, उनसे गैस रिसाव हो रहा है। बीसीसीएल सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल मंगलवार की रात राहत कैंप पहुंचे। प्रभावित लोगों से बातचीत के बाद मीडिया से भी बात की।

सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि केंदुआडीह गैस रिसाव मामले में वैज्ञानिकों की टीम लगातार निगरानी कर रही है। किसी-किसी जगह में काफी अधिक मात्रा में कार्बन मोनो ऑक्साइड का रिसाव हो रहा है, जो लोगों के लिए काफी खतरनाक है। मेडिकल व्यवस्था और राहत कैंप के जरिए लोगों को सुविधा मुहैया कराई जा रही है। प्रभावित इलाके में बसे लोगों का पुनर्वास पहली प्राथमिकता है।

लोगों को कर रहे जागरूकः सीएमडी

सीएमडी ने कहा कि हम अपने स्तर से लोगों को जागरूक करने के प्रयास कर रहे हैं। वर्तमान और भविष्य में हर समस्या का हल निकालने के लिए आईआईटी, आईएसएम, सिंफर व सीएमपीडीआई जैसे एजेंसी अपना काम कर रही हैं। सुरक्षित जगह पर लोगों को ले जाना ही एजेंसियों की एकमत सलाह है।

उन्होंने कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन, एनडीआरएफ के साथ मिलकर इलाके का जायजा ले रही है। गैस पर काबू पाने के लिए फॉगिंग और वाटर स्प्रिंकलिंग इलाके में कराई जा रही है।

प्रभावित परिवारों का सुरक्षित रेस्क्यूः सीएमडी

उन्होंने कहा कि प्रभावित इलाके पूरी तरह सुरक्षित होने और सभी परिवार को सुरक्षित स्थान में बसाने की कवायद में बीसीसीएल लगी हुई है। 3 दिसंबर को कार्बन मोनोऑक्साइड गैस रिसाव के बाद बीसीसीएल लोगों के हितों का ख्याल रखते हुए लगातार कार्य कर रही है। एमआरएस टीमों ने कई घरों में गैस का स्तर काफी अधिक पाया, जिसके बाद प्रभावित परिवारों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।

कोल इंडिया के चेयरमैन करेंगे धनबाद का दौरा

कोयला मंत्रालय भी घटना को लेकर काफी गंभीर है। कोल सचिव विक्रम देव दत्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए से बीसीसीएल और सिंफर के आला अधिकारियों से कर्मवार जानकारी ली। बीसीसीएल की ओर से चलाये जा रहे राहत और बचाव कार्यों के बारे में भी विस्तृत जानकारी ली।

सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के दौरान अधिकारियों को आवश्यक आदेश भी दिए। बुधवार को कोल इंडिया के चेयरमैन सनोज कुमार झा धनबाद आ रहे हैं। वह गैस प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर वहां की वस्तुस्थिति से अवगत होंगे, ताकि कोयला मंत्रालय को वर्तमान स्थिति से अवगत करा सकें।

न्यूज IN ब्रीफ

एबीएम कॉलेज गोलमुरी के नए प्राचार्य बने डॉ नरेश कुमार

जमशेदपुर : एबीएम महाविद्यालय, गोलमुरी में घाटशिला कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर डॉ। नरेश कुमार ने बुधवार को नए प्राचार्य का पदभार ग्रहण किया। पूर्व प्रभारी प्राचार्या डॉ। बी।पी। महारथा ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। छात्र-छात्राओं ने तिलक लगाकर उन्हें कक्ष में प्रवेश कराया। शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने अंगवस्त्र और पौधा भेंट कर अभिनंदन किया। पदभार ग्रहण के बाद डॉ। कुमार ने कहा कि कॉलेज का शैक्षणिक माहौल और बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन के सहयोग से संस्थान के विकास का संकल्प भी व्यक्त किया।

स्पोर्ट्स कोड ऑफ कंडक्ट पर टाटा स्टील की वर्कशॉप

जमशेदपुर : टाटा स्टील स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट ने जमशेदपुर एफसी के स्टाफ और कोचों के लिए स्पोर्ट्स कोड ऑफ कंडक्ट पर वर्कशॉप आयोजित की। सेशन में नैतिक व्यवहार, टाटा वैल्यूज के पालन और युवा खिलाड़ियों के विकास के साथ प्रोफेशनल आचरण बनाए रखने पर जोर दिया गया। कोचों को सिखाया गया कि कैसे एथलीटों के लिए सम्मानजनक और सकारात्मक माहौल तैयार करें। वर्कशॉप में हेड कोच स्टीवन डायस, गोलकीपर कोच हर्षद मेहर, जीएम प्रशांत गोडबोले सहित अन्य स्टाफ शामिल हुए। सेशन ने टाटा स्टील और जमशेदपुर एफसी के संयुक्त लक्ष्य–स्किल और कैरेक्टर आधारित स्पोर्टिंग इकोसिस्टम–को आगे बढ़ाने पर बल दिया।

लिटरेचर फेस्टिवल में कार्टून-कैरिकेचर 20 से

जमशेदपुर : लिटरेचर फेस्टिवल 20 दिसंबर को शहर में कला, साहित्य और संगीत का अनोखा संगम पेश करेगा। राहगीर अपनी कविताओं व गीतों से माहौल सजाएंगे, जबकि 90 वर्षीय प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट आबिद सुरती और कैरिकेचर कलाकार मनोज कुमार सिन्हा भी उत्सव में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के लिए पंजीकरण जारी है। पहली बार इतने बड़े पैमाने पर होने वाला यह आयोजन जमशेदपुर को राष्ट्रीय साहित्यिक मानचित्र पर नई पहचान देगा।

बिना टिकट यात्रा के खिलाफ 76 यात्रियों पर जुर्माना

जमशेदपुर : दक्षिण पूर्व जोन की योजना के तहत मंगलवार को रेलवे मजिस्ट्रेट मोहम्मद हुसैन के नेतृत्व में आरपीएफ के जवानों और टिकट निरीक्षक की टीम ने विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। इससे 76 बिना टिकट यात्रा करने और अनियमित टिकटधारक से 45 हजार 790 रुपये जुमार्ना वसूला गया। रेलवे के अनुसार, विशेष जांच का उद्देश्य सुरक्षित एवं अनुशासित यात्रा के साथ अनाधिकार लोगों की हरकत पर अंकुश लगाना और आवागमन सामान्य रखना है क्योंकि गलत ढ़ग से यात्रा करने वालों से दूसरे लोगों को दिक्कत होती है। जांच में धराने वालों से मौके पर ही दोषियों से जुमार्ना वसूला गया।

सुंदरनगर में बाइक स्किड होने से दो घायल, सदर अस्पताल में चल रहा इलाज

जमशेदपुर : सुंदरनगर थाना क्षेत्र में बुधवार की शाम सड़क पर बाइक फिसलने से दो युवक घायल हो गए। घायलों की पहचान चाईबासा निवासी मनोज और कसिर के रूप में हुई है। दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।सूत्रों के अनुसार दोनों युवक किसी काम से जमशेदपुर आए थे और वापस लौट रहे थे। इसी दौरान सुंदरनगर के पास अचानक बाइक अनियंत्रित होकर स्किड हो गई। हादसे में दोनों सड़क पर गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोटें आईं।घटना की सूचना मिलने पर सुंदरनगर थाना पुलिस भी अस्पताल पहुंची और घायलों से प्राथमिक जानकारी ली।

पुलिस का कहना है कि सड़क पर फिसलन के कारण हादसा हुआ प्रतीत होता है। घटना के समय बाइक की रफ्तार तेज होने की भी आशंका जताई जा रही है।अस्पताल में डॉक्टरों ने बताया कि घायलों की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है। आवश्यक उपचार जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वाहन को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आजाद हिंद एक्सप्रेस से मिला अज्ञात अधेड़ का शव

जमशेदपुर : पुणे हावड़ा आजाद हिंद एक्सप्रेस के जनरल कोच में बुधवार सुबह उस वक्त अफरातफरी मच गई जब यात्रियों की नजर एक शव पर पड़ी। ट्रेन ड्यूटी कर्मचारियों की सूचना पर आरपीएफ और जीआरपी की मौजूदगी में शव को टाटानगर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार पर उतारा गया। जीआरपी के अनुसार शव की पहचान नहीं हुई, न ही मृतक के कपड़े से कोई यात्रा टिकट बरामद हुआ है। इससे मृतक के निवास स्थान या अन्य तरह की जानकारी नहीं हुई है। लेकिन मृतक की पहचान के लिए मार्ग के विभिन्न स्टेशनों पर आजाद हिंद एक्सप्रेस के जनरल कोच से शव की सूचना भेज दी गई।

प्रथम पांच में दक्षिण पूर्व रेलवे के बॉडी बिल्डरों ने दिखाया अपना जलवा

चक्रधरपुर : दक्षिण पूर्व रेलवे चक्रधरपुर स्पोर्टस एसोसिएशन के तात्वाधान में रेलवे क्षेत्र के महात्मागांधी सभागार में आयोजित 39 वां तीन दिवसीय आल इंडिया इंटर रेलवे बॉडी बिल्डिंग चैपियनशीप-2025 के प्रथम पांच सदस्यों के प्रतियोगिता में दक्षिण पूर्व रेलवे के कुंदन कुमार गोप, राहुल मितेई, भुपेंदर सिंह , राजू खान , प्रीतम घोष, अशपाक मोहम्मद, राम निवास, जावेद अली खान, नीतिन चंडेला, अश्विन सेठी, श्री राम आर और एन सर्बो सिंह जगह कायम किया। प्रतियोगिता में मंगलवार देर शाम तक 55 केजी केटेगरी से लेकर 100 से अधिक केटेगरी में प्रत्येक केटेगरी में प्रथम पांच के लिए प्रतियोगिता हुआ जिसमें प्रत्येक केटेगरी में 7 से लेकर 12 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इन प्रतिभागियों में से प्रत्येक केटेगरी में जजों के द्वारा अंतराष्ट्रीय मानकों और अनुशासन के तहत उनके शारीरिक सौष्ठव का आंकलन करते हुए पांच पांच सदस्यों का चयन किया गया। आज अपरान्ह को चयनित पांच पांच सदस्यों के बीच प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए प्रतियोगिता का आयोजन होगा और पुरस्कार वितरण समारोह में उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम पांच में इन बॉडी ब्लिडरों का हुआ चयन 55 केजी केटेगरी में नार्दन रेलवे के शुभम कुमार, एसईआर के एम राहुल मितेई, सेंट्रल रेलवे के सागर नागओंकर, नार्दन रेलवे के मनिष कुमार और सेंट्रल रेलवे के राहुल दबेकर 60 केजी केटेगरी में एसडब्ल्युआर के कांता बालकृष्ण, सर्दन रेलवे के एस बालसुदंरम, एसईआर के कुंदन कुमार गोप, सेंट्रल रेलवे के गोरख बानकुली सेंट्रल रेलवे के मनिष महतो 65 केजी केटेगरी में एनएफआर के सोजोल दास, एसडब्ल्यु आर के केदार जे पाटिल, एसईआर के भुपेंदर सिंह, सेंट्रल रेलवे के वैभव महाजन सहित अन्य शामिल हैं।

नीतीश कुमार दसवीं बार मुख्यमंत्री बनकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में हुए दर्ज

बिनय मिश्रा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार निरंतर इतिहास रचने के साथ साथ अपनी सादगी और मृदुभाषिता के साथ साथ बिहार के विकास के लिए पहचाने जाते हैं और इसी का परिणाम है कि बिहार की जनता ने इनपर विश्वास और आस्था रखते हुए अविश्वसनीय मतो से इन्हें सत्ता की बागडोर पुनः सौंपी है।बीस वर्षो से मुख्यमंत्री रहने तथा दसवीं बार मुख्यमंत्री बनने पर इनका नाम देश के साथ साथ-साथ विदेशों में भी पहचाने जाने लगा है और इनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है।इस प्रकार से बिहार की गौरवगाथा इतिहास के पन्नों में भी दर्ज हो गया है।इस प्रकार से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निरंतर इतिहास रचने के साथ साथ विश्व में बिहार का नाम और साख दर्ज करवाया। अपनी उपलब्धि से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रदेश,देश और विदेश में भी अपना नाम दर्ज करवाने में सफल रहे हैं।

चोरी का सीतारामडेरा पुलिस ने किया खुलासा, दंपति समेत चार गिरफ्तार

संवाददाता

जमशेदपुर : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के बाराद्वारी में 14 लाख रुपये के गहनों की चोरी के मामले का पुलिस ने पदार्फाश कर लिया है। इस घटना में शामिल दंपति समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपी आलोक मुखी, उसकी बहन ज्योति मुखी, जीजा धीरज कुमार तांती और चोरी के गहने खरीदने वाले आभूषण कारोबारी सुनील कुमार प्रसाद शामिल हैं।बुधवार को सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी कि 7 दिसंबर को बाराद्वारी निवासी अमित सोलंकी के घर चोरी हुई थी। मामले की शिकायत मिलते ही पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी जांच की मदद से आरोपी आलोक मुखी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया।पूछताछ में आलोक ने चोरी किए गए जेवर अपनी बहन ज्योति और जीजा धीरज को देने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया। ज्योति मुखी के पास से कुछ गहने बरामद किए गए। जांच में पता चला कि ज्योति ने तीन लाख रुपये के सोने के गहने आदित्यपुर के आभूषण कारोबारी सुनील प्रसाद को महज 70 हजार रुपये में बेच दिए थे। पुलिस ने छापेमारी कर सुनील के पास से बाकी सारे आभूषण भी बरामद कर लिए।

अगले 100 वर्षों के लिए लक्ष्य स्पष्ट : प्रो प्रेम व्रत

छात्र व शिक्षक ही इस संस्थान के अगले सौ वर्षों की दिशा निर्धारित करेंगे

संवाददाता

धनबाद : आईआईटी आईएसएम धनबाद के 100वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बीओजी (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स) चेयरमैन प्रो प्रेम व्रत ने कहा कि आईआईटी आईएसएम की कहानी केवल इसलिए अद्भुत नहीं है कि इसने क्या-क्या उपलब्धियां हासिल कीं। इसलिए भी कि इसने क्या-क्या प्रेरित किया। इसने अनेक पीढ़ियों को इंजीनियरिंग, विज्ञान, तकनीक और प्रबंधन के क्षेत्रों में प्रवेश करने के लिए प्रेरित किया। उद्योगों को सहयोग, नवाचार और वृद्धि के लिए प्रेरित किया। छात्र व शिक्षक ही इस संस्थान के अगले सौ वर्षों की दिशा निर्धारित करेंगे। हमारे लक्ष्य स्पष्ट हैं। इनमें शोध पारिस्थितिकी तंत्र को और सशक्त करना, वैश्विक साझेदारियों का विस्तार करना, उद्योग और समाज से अपने संबंधों को और गहरा करना, शैक्षणिक ईमानदारी और गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को बनाए रखना है।

एक शताब्दी एक दुर्लभ और अमूल्य पड़ाव है। यह हमें यह याद दिलाता है कि हम कितनी दूर आ चुके हैं। यह भी कि हमें अभी कितनी दूर जाना है।

बौद्धिक क्षितिज को और विस्तारित करेंगे : निदेशक

निदेशक प्रो। सुकुमार मिश्रा ने कहा कि ऐतिहासिक 100वां स्थापना दिवस हमलोगों के लिए भावनात्मक और गौरव का क्षण है। ये क्षण हमें याद दिलाते हैं कि किसी भी संस्थान की वास्तविक शक्ति उसकी उपलब्धियों में ही नहीं, बल्कि उसके साझा भाव और अपनत्व में निहित होती है। निदेशक ने कहा कि हमारे छात्र अगले सौ वर्षों के वाहक हैं। आपकी जिज्ञासा, आपकी रचनात्मकता और आपका जुनून ही आईआईटी आईएसएम की धड़कन है। जब हम अपनी दूसरी शताब्दी की ओर कदम बढ़ा रहे हैं, हमारा मार्ग स्पष्ट है। हम अपने बौद्धिक क्षितिज को और विस्तारित करेंगे। उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाएंगे। सततता, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक विकास को अपने केंद्र में रखेंगे। धन्यवाद ज्ञापन उपनिदेशक प्रो। धीरज कुमार ने किया। कार्यक्रम में विनय प्रकाश, सतीश झा, बीसीसीएल सीएमडी मनोज अग्रवाल, संदीप कुमार, शिक्षाविद, पूर्ववर्ती छात्रों के अलावे अन्य मौजूद थे। -- अदाणी ने दो छात्रों को किया सम्मानित उद्योगपति गौतम अदाणी ने पेनमेन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में आईआईटी आईएसएम धनबाद के छात्र ओम शांडिल्य व साहिल शर्मा को सम्मानित किया। -- सुबह 11 बजे से 3 बजे तक धनबाद में रहे अदाणी गौतम अदाणी सुबह 11 बजे बरवाअड्डा हवाईअड्डा पहुंचे। हवाई अड्डा में उपनिदेशक प्रो। धीरज कुमार व वरीय सुरक्षा अधिकारी राम मनोहर ने स्वागत किया। वहां से सीधे पेनमेन हॉल पहुंचे। कार्यक्रम समाप्ति के बाद टैक्समिन पहुंचे। टैक्समिन में श्री एस एक्सीलेंस सेंटर का उद्घाटन करने के बाद निदेशक, चेयरमैन समेत अन्य अधिकारियों संग बंद कमरे में मीटिंग की। मीटिंग के बाद अदाणी समूह में कार्यरत आईआईटी धनबाद के पूर्ववर्ती छात्रों संग मिले। वहां से गेस्ट हाउस पहुंचे। खाना खाकर कैंपस से ढाई बजे के लगभग निकले। एक अन्य कार्यक्रम में भाग लेने के बाद तीन बजे के बाद हवाईअड्डा के लिए रवाना हुए।

केंदुआडीह गैस रिसाव की जांच के लिए सरकार कमेटी बनाए : राज सिन्हा

संवाददाता

धनबाद : धनबाद विधायक राज सिन्हा ने मंगलवार को विधानसभा में बीसीसीएल क्षेत्र के केंदुआडीह में जहरीली गैस रिसाव का मुद्दा उठाया। प्रभावित परिवारों को रोजगार, सुरक्षा एवं पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग की। कहा कि वर्तमान में स्थिति गंभीर और भयावह है। प्रभावित परिवारों के समक्ष रोजगार और सुरक्षा की चिंता है। स्थानीय लोग आंदोलनरत हैं। विधायक ने जनहित में उक्त तथ्यों के आलोक में कार्बन मोनोऑक्साइड (जहरीली गैस) रिसाव प्रभावित क्षेत्रों में रोकथाम के लिए राज्य सरकार की ओर से एक उच्चस्तरीय जांच कमेटी गठित करने की मांग की। रैयतों को रोजगार और सुरक्षा दी जाए। पीड़ित परिवारों को समुचित मुआवजा दिए जाने की भी मांग की। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी विधायक राज सिन्हा ने इस मामले में लिखित ज्ञापन दिया। मेडिकल

कॉलेज में उपकरण खरीद में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया विधायक राज सिन्हा ने विधानसभा सत्र में शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (एसएनएमसीएच) में बुजुर्गों को चलने में सहायता के लिए आथोर्पेडिक कैलीपर खरीदने के लिए जारी टेंडर में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया एवं जांच की मांग की। कहा कि आथोर्पेडिक कैलीपर (घुटने को सहारा देने के लिए) की जगह वॉर्नियर कैलीपर (मापने वाला उपकरण) खरीदकर सप्लाई करा दी गई। मामले में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह सामान्य मामला है।

रमावती देवी के पुण्य तिथि पर प्रभुजनों के बीच भोजन का किया वितरण

भोजन कराना मानवता का सबसे श्रेष्ठ उदाहरण थाना प्रभारी जीआरपी

ज्योति पाठक

रमा देवी के पुण्यतिथि पर उनके पुत्र युवा व्यवसायी रामाषीस साव एवं अनुप साव के द्वारा स्टेशन परिसर के समीप जननायक समिति के तत्वाधान में प्रभुजनों के बीच व्यापक रूप से भोजन वितरण किया गया। इस अवसर पर उनके परिजनों के द्वारा कहा गया कि -

असहाय, लाचार और भीषण ठंड से जूझ रहे लोगों के बीच भोजन वितरण कराना काफी बेहतर और उत्कृष्ट कार्य है तथा प्रेरणास्त्रोत भी है।

जननायक समिति के तत्वधान में

ठण्ड के बीच भी रमावती देवी के परिजनों के द्वारा उनके स्मृति में पुण्य तिथि के दिन लोगों के बीच भोजन वितरण करना काफी श्रेष्ठ और नेक कार्य है। रात्रि बेला में भोजन की व्यवस्था वैसे लोगों के बीच किया जाना जो कतिपय और आर्थिक असमर्थता के कारण भुखे रहते हैं किन्तु जननायक समिति के द्वारा प्रतिदिन इस नेक कार्य के कारण भर पेट भोजन कर आत्मसंतुष्ट होते हैं। इस प्रकार से कहा जाता है कि भूखे की सूधि लेना और भोजन कराना काफी नेक कार्य है। वहीं इस मौके पर रमावती देवी के पुत्र रामाषीस साव और अनूप साव ने कहा कि उनकी माता के स्मृति में लोगों के बीच भोजन वितरण कर उन्हें काफी अच्छा लग रहा है और उन्हें हार्दिक प्रसन्नता मिली। इस अवसर पर मुख्य रूप से रिक्की छावड़ा, रोशन सिंह और अन्य लोग भी उपस्थित थें।